mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-37 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

07 अगस्त 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

लॉस एंजिल्स ओलंपिक

@ पेज 7

पाकिस्तानी एजेंट डीआरडीओ अधिकारी बनकर कॉल करता था

जैसलमेर,एजेंसी। जासूसी के शक में पकड़ा गया रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) गेस्ट हाउस के मैनेजर को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी पाक एजेंट ने कॉन्टैक्ट किया था। पाक एजेंट फर्जी डीआरडीओ का अधिकारी बन गेस्ट हाउस मैनेजर महेंद्र प्रसाद से कॉन्टैक्ट करता था। 4 अगस्त की रात को जैसलमेर में DRDO के गेस्ट हाउस मैनेजर महेंद्र प्रसाद को जासूसी के शक में हिरासत में लिया गया था। आरोपी पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज के गेस्ट हाउस में पोस्टेड है।

सूत्रों के अनुसार, महेंद्र साल 2020 से इस पाक एजेंट के कॉन्टैक्ट में था। पाक एजेंट फोन कर हर बार इस गेस्ट हाउस में आने वाले अधिकारियों की लिस्ट वॉट्सऐप पर मंगवाता था। महेंद्र को 5 अगस्त को सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार कर लिया था। फिलहाल उसे जॉइंट इंटेरोगेशन कमेटी (JIC) भेजा गया। अब वहां सभी सुरक्षा एजेंसियां महेंद्र से कड़ाई से पूछताछ कर सकेंगी। सुरक्षा एजेंसियों ने उसके पास से 2 फोन बरामद किए हैं। आरोप है कि महेंद्र ने कई महत्वपूर्ण जानकारी पाक एजेंट को दी है।

एल्विश यादव के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक

यूपी सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रही सांप के जहर से जुड़ी आपराधिक कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है। एल्विश यादव ने इस मामले में चार्जशीट और मुकदमे की प्रक्रिया को चुनौती दी थी। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। अब अगली सुनवाई तक निचली अदालत में मामले की सुनवाई नहीं होगी। क्या है मामला? नोएडा पुलिस ने एल्विश यादव समेत कुछ लोगों पर सांप का जहर पार्टी में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया था। आरोप था कि उन्होंने एक पार्टी में अवैध तरीके से सांपों और जहर का इस्तेमाल किया था। इस मामले में वन विभाग और पुलिस की जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की गई थी। एल्विश यादव ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि उनके खिलाफ गलत और बिना सबूत के आरोप लगाए गए हैं। उनका कहना है कि वे निर्दोष हैं और उन्हें झूठा फंसाया गया है।

दिल्ली में महिला सांसद की चेन छीनने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को कांग्रेस सांसद आर. सुधा की गर्दन से 30 ग्राम के सोने की चेन छीनने वाले आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 24 साल के सोहन रावत के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से सांसद की चेन और वह स्कूटर जब्त की है, जिससे उसने घटना को अंजाम दिया था।

पुलिस ने बताया कि CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद, उसे गिरफ्तार किया गया है। रावत पर पहले से 26 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से ज्यादातर चोरी और झपटमारी से जुड़े हैं। उसे अप्रैल में गाड़ी चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया था। वह 27 जून को जमानत पर बाहर आया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन किया

सरकारी मंत्रालयों-विभागों को मिला नया ठिकाना

नई दिल्ली ,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर नवनिर्मित कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर कर्तव्य भवन में शिफ्ट किया जाएगा जिससे दक्षता, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। इसमें गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय/विभाग और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय होंगे।

सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों के लिए ऐसे कुल 10 भवनों का निर्माण होना है। इनमें से कर्तव्य भवन-3 बनकर तैयार हो गया है, इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। साथ ही वह शाम छह बजे कर्तव्य पथ पर एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। परियोजना पूरी होने के बाद किराये के तौर पर खर्च होने वाले 1500 करोड़ रुपये की बचत होगी।

कर्तव्य भवन में क्या है खास: लगभग 1.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस अत्याधुनिक कार्यालय परिसर में दो बेसमेंट और सात मंजिलें (भूतल+6 मंजिल) हैं। वर्तमान में, कई प्रमुख मंत्रालय 1950 और 1970 के दशक के बीच निर्मित शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों से काम करते हैं, जो 1950-70 के दशक में बनाई गई थीं।

भवन में सुरक्षित और आईटी-सक्षम कार्यस्थल, स्मार्ट एंट्री सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और कमांड सेंटर, सोलर पैनल, सौर वॉटर हीटर और ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन जैसी सुविधाएं हैं। यह पर्यावरण के अनुकूल निर्माण को भी बढ़ावा देता है, जिसमें अपशिष्ट जल का पुन~ उपयोग, ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। इमारत को ठंडा रखने और बाहरी ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए इसमें कांच की विशेष खिड़कियां लगाई गई हैं।

30 फीसदी कम ऊर्जा का खपत: कर्तव्य भवन को 30 प्रतिशत कम ऊर्जा खपत के लिए तैयार किया गया है। ऊर्जा की बचत करने वाली एलईडी लाइटें, जरूरत न होने पर लाइटें बंद करने वाले सेंसर, बिजली बचाने वाली स्मार्ट लिफ्ट्स और बिजली के उपयोग को प्रबंधित करने की एक उन्नत प्रणाली लगाई गई है।

जल्द ही अन्य भवन भी हो जाएंगे पूरी तरह तैयार : शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को नवनिर्मित कर्तव्य भवन-3 के सभागार में पत्रकारों से चर्चा में बताया कि अगले महीने तक कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 भी बनकर तैयार जाएंगे। दोनों का काम लगभग अंतिम चरण में है। प्रस्तावित अन्य सात भवन भी अप्रैल 2027 तक बनकर तैयार हो जाएंगे। इस परियोजना पर करीब 1000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मंत्रालयों के लिए बनाए जा रहे इन भवनों में तकनीक, सुरक्षा व पर्यावरण अनुकूलता का पूरा ख्याल रखा गया है। पूरे भवन की निगरानी के लिए एक कमांड सीसीटीवी सेंटर भी बनाया गया है,जहां से परिसर व अंदर के गलियारों पर पैनी नजर रखी जाएगी।

कर्तव्य भवन-3 : एक नजर में

- कुल क्षेत्रफल- 1.50 लाख वर्ग मीटर
- भूतल क्षेत्रफल- 40 हजार वर्ग मीटर
- कुल तल- दो भूतल सहित कुल दस तल
- पार्किंग क्षमता- 600 कारों की
- बैठने की व्यवस्था- वर्क हाल और केबिन
- कॉमन सुविधा- योगा, क्रेच,मेडिकल रूम, कैफे, मल्टीपरपज हॉल
- 24 मुख्य कांफ्रेंस हाल, क्षमता- प्रत्येक में 45 व्यक्तियों के बैठने की
- 26 छोटे कांफ्रेंस हाल, क्षमता-प्रत्येक में 25 व्यक्तियों के बैठने की
- 67 मीटिंग रूम या वर्क हाल, प्रत्येक की क्षमता नौ लोगों की
- लिफ्ट- 27, सेंट्रलाइज एयर कंडीशन, स्वचालित सीढ़ियां- दो

मौजूदा भवन हैं 75 साल पुराने

मंत्री खट्टर ने एक सवाल के जवाब में बताया कि मंत्रालयों के नए और अत्याधुनिक भवनों को बनाने की जरूरत इसलिए पड़ी, क्योंकि जो मौजूदा भवन हैं वह 1950 से 1970 के बीच बनाए गए थे। ये सभी पुराने हो गए है, इनका सालाना रखरखाव काफी महंगा हो गया था। गौरतलब है कि मौजूदा समय में केंद्र सरकार के पास करीब 55 मंत्रालय और 93 विभाग मौजूद है। ये अभी नार्थ और साउथ ब्लाक के साथ कृषि भवन, शास्त्री भवन, उद्योग व निर्माण भवन आदि शामिल है।

नार्थ और साउथ लाक होगा पूरा खाली

कर्तव्य भवनों के तैयार होते ही नार्थ और साउथ ब्लाक में मौजूद सभी मंत्रालयों को वहां से स्थानांतरित कर दिया जाएगा। दोनों ही ब्लाक को खाली कराकर इनमें भारत संग्रहालय बनाया जाएगा। इस दौरान ढांचे के साथ किसी तरह का छेड़छाड़ किए बगैर इसमें महाभारत काल से लेकर देश के आज तक के इतिहास, कला व संस्कृति आदि को प्रदर्शित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि सेंट्रल विस्टा परियोजना का यह काम दिसंबर 2031 तक पूरा कर लिया जाएगा। इनमें ही प्रधानमंत्री के लिए नए आवास व कार्यालय भी बनाए जा रहे है। इसके लिए भी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना के तहत, सरकार पहले ही संसद भवन और उपराष्ट्रपति एन्क्लेव का निर्माण कर चुकी है, और विजय चौक से इंडिया गेट तक फैले कर्तव्य पथ का भी पुनर्विकास कर चुकी है। इस परियोजना के तहत केंद्रीय सचिवालय के अलावा, सरकार एक कार्यकारी एन्क्लेव का भी निर्माण करेगी जिसमें एक नया प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), कैबिनेट सचिवालय, इंडिया हाउस और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय होगा। दूसरे चरण के तहत, एक नए प्रधानमंत्री आवास का निर्माण भी किया जाएगा।

आरबीआई ने रेपो रेट में बदलाव नहीं किया,5.50प्रतिशत पर बरकरार रखा

लोन-ईएमआई नहीं बदलेंगे ; टैरिफ अनिश्चितता के कारण फैसला

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है। इसे 5.5% पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी EMI भी नहीं बढ़ेगी। RBI ने जून में ब्याज दर 0.50% घटाकर 5.5% की थीं। यह फैसला मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 अगस्त तक चली मीटिंग में लिया गया। RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज यानी 6 अगस्त को इसकी जानकारी दी। RBI गवर्नर ने कहा कि कमेटी के सभी मेंबर्स ब्याज दरों में स्थिर रखने के पक्ष में थे। टैरिफ अनिश्चितता के कारण ये फैसला लिया गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी RBI जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। इसमें बदलाव नहीं होने का मतलब है कि ब्याज दरें न तो बढ़ेंगी न घटेंगी।

गवर्नर बोले- ग्लोबल ट्रेड की चुनौतियां बनी हुई हैं : RBI गवर्नर ने कहा- मानसून सीजन अच्छा चल रहा है। साथ ही, त्योहारों का सीजन भी नजदीक आ रहा है, जो आमतौर पर आर्थिक गतिविधियों में उत्साह और तेजी लाता है। ये अनुकूल माहौल, सरकार और रिजर्व बैंक की सहायक नीतियों के साथ, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निकट भविष्य में अच्छा संकेत देता है। भले ही ग्लोबल ट्रेड की चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं कुछ हद तक कम हुई हैं।

आप सरकार के शिक्षामंत्री को जूते साफ करने की सजा

पंजाब में नंगे पैर अकाल तख्त पहुंचे बैंस शहीदी समारोह में नाच-गाना कराया था

अमृतसर,एजेंसी। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस बुधवार को अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में सिखों की सर्वोच्च संस्था श्री अकाल तख्त साहिब के सामने पेश हुए। उन्होंने 24 जुलाई को पंजाब भाषा विभाग की तरफ से जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर नाच-गाने का कार्यक्रम कराने पर पांच सिंह साहिबानों के सामने अपनी गलती स्वीकार की।

जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने मंत्री बैंस को सजा सुनाते हुए कहा कि अभी अमृतसर में गोल्डन टेंपल से गुरुके महल तक पैदल जाएंगे। यहां साफ-सफाई करांगे। इसके बाद गुरुद्वारा कोठा साहिब पहुंचने से 100 मीटर पहले उतर जाएंगे। यहां से गुरुद्वारे तक पैदल जाएंगे। साथ ही रास्ते में साफ-सफाई कराएंगे। इसके बाद गुरुद्वारा पातशाही बाबा बकाला साहिब पहुंचने से 100 मीटर पहले उतर जाएंगे और सड़कों को सही कराएंगे।इसके बाद हरजोत सिंह को दिल्ली में गुरुद्वारा शीशगंज साहिब और श्री आनंदपुर साहिब में शीशगंज साहिब गुरुद्वारे जाना होगा। दोनों जगह पर नतमस्तक होकर 2 दिनों तक जोड़ा घरों में सेवा करनी होगी। साथ ही साथ 1100 रुपए की देग (प्रसाद) चढ़ाकर अरदास करवाएंगे। इस पर मंत्री ने कहा कि मुझे सज़ा मंजूर है। जिस कार्यक्रम को लेकर विवाद हुआ है, उसमें पंजाबी सिंगर बीर सिंह ने परफॉर्मेंस दी थी। 1 अगस्त को मंत्री हरजोत सिंह बैंस और भाषा विभाग के डायरेक्टर जसवंत सिंह जफर को पांच सिंह साहिबानों के सामने व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया गया था। उस दिन बैठक स्थगित हो गई थी। दोनों को 6 अगस्त को पेश होने को कहा गया। जफर विदेश में होने के कारण पेश नहीं हुए और चिट्ठी भेजकर बाद में पेश होने का आग्रह किया। जफर अब 13 अगस्त को पेश होंगे।

मोहाली के इंडस्ट्रियल एरिया में ब्लास्ट से 2 की मौत,3 की हालत गंभीर

फैक्ट्री की छत उड़ी ; 1 किलोमीटर दूर तक बिखरे सिलेंडर के टुकड़े

मोहाली,एजेंसी। पंजाब में मोहाली के इंडस्ट्रियल एरिया में एक फैक्ट्री में सिलेंडर ब्लास्ट हो गया, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई है। जबकि, 3 लोगों के घायल होने की सूचना है। हादसे के बाद इलाके में अफरातफरी मची हुई है। धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों की दीवारें तक हिल गईं और फैक्ट्री की छत को भी काफी नुकसान पहुंचा है। सिलेंडर के टुकड़े भी 1 किलोमीटर दूर तक बिखरे मिले हैं।

फिलहाल, ब्लास्ट की सही वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं और मामले की जांच जारी है। मृतकों की पहचान आसिफ खान और देवेंद्र कुमार के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 25 साल थी और कंबाला के रहने वाले थे।

जानकारी के मुताबिक, जिस जगह पर धमाका हुआ है, वह ऑक्सीजन प्लांट है। पता चला है कि यहां सिलेंडर लोड किए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया।

अस्पतालों में होती है ऑक्सीजन की सप्लाई

हादसे के बाद सारे सिलेंडर हटाए गए हैं। यह धमाका इतना खतरनाक था कि मारे गए लोगों के चिथड़े तक उड़ गए। जिस फैक्ट्री में धमाका हुआ है, वह हाईटेक इंडस्ट्री के नाम से चल रही है। पता चला है कि यह फैक्ट्री बहुत पुरानी है। ट्राइसिटी के सारे सरकारी और निजी अस्पतालों को यहीं से ऑक्सीजन सिलेंडर भेजे जाते हैं।

एक किमी दूर मिले सिलेंडर के टुकड़े : मृतकों के परिजनों कहना है ड्यूटी छह बजे तक होती है, लेकिन ये लोग ओवर टाइम लगा रह थे। लोगों का कहना है कि कंपनी करीब 30 साल से यहां चल रही है। लोगों ने बताया कि धमाका इतना बड़ा था कि कंपनी से एक किलोमीटर दूर कंबाला गांव में सिलेंडर के टुकड़े मिले हैं। इसके बाद गांवों के लोग भी वहां पर पहुंच गए है। वहीं, मृतकों के परिजन पहुंच गए हैं। सारे एरिया को खाली करवा दिया गया।

उराखंड के बाद हिमाचल के किन्नौर में बादल फटा

● कैलाश यात्रा रुकी ● आईटीबीपी ने जिपलाइन के जरिए 413 तीर्थयात्रियों को बचाया ● राज्य में 500+ सड़कें बंद

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ, एजेंसी। पहाड़ों पर मानसून की बारिश आफत लेकर आई है। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर स्थित तंगलिंग में बुधवार को बादल फटने से बाढ़ जैसे हालात हो गए। घटना का एक भयावह वीडियो सामने आया है, जिसमें पहाड़ से चट्टान और मलबे का सैलाब नीचे सड़क पर गिरते दिखा। अचानक आई बाढ़ से कैलाश यात्रा रूट पर दो पुल बह गए। बाकी का रास्ता भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण यात्रा रोक दी गई है। कई श्रद्धालु फंसे हुए हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) की टीम ने जिपलाइन की मदद से 413 तीर्थयात्रियों को बचाया है।

किन्नौर के रिब्बा गांव के पास रालडांग खड्ड में भी बादल फटा। इससे नेशनल हाईवे-5 भी बंद हो गया है। हाईवे के लगभग 150 मीटर हिस्से पर कीचड़ और बड़े-बड़े पत्थर जमा हो गए हैं। हालांकि, हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पहले मंगलवार रात में चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर भी लैंडस्लाइड हुई। सड़कों पर बड़ी-बड़ी चट्टान गिरने से राज्य में 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। शिमला, मंडी, सोलन और कुल्लू जिले में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

इससे पहले उत्तराखंड के धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने से भारी तबाही मच गई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। कर्णप्रयाग में पहाड़ ढहने से बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद हो गया। हरिद्वार-देहरादून रेल पर चट्टान गिरने से रेल परिचालन ठप पड़ा है।

मौसम विभाग ने बुधवार को केरल में भी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी में ऑरेंज अलर्ट और उत्तराखंड-बिहार समेत 20 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है।

धराली त्रासदी- एक शव बरामद, अब तक 4 की मौत

11 जवानों समेत 50 से ज्यादा लापता 150 से ज्यादा बचाए गए, रेस्क्यू जारी

देहरादून,एजेंसी। उत्तराखंड में उत्तरकाशी के धराली गांव में मंगलवार दोपहर करीब 1.45 बजे बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो चुकी है। बुधवार सुबह रेस्क्यू-सर्च ऑपरेशन के दौरान एक डेडबॉडी बरामद की गई। उसकी पहचान की जा रही है। 50 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। कल से लेकर अभी तक 150 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। SDRF, NDRF, ITBP और आर्मी की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। बुधवार सुबह पीएम मोदी ने उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की। इसके बाद धामी ने धराली और दूसरी जगहों का एरियल सर्वे किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर मीटिंग भी की। गंगोत्री तीर्थयात्रियों के प्रमुख पड़ाव धराली गांव के बाजार-मकान, होटल बह गए खीर गंगा नदी में पहाड़ों से बहकर आए मलबे से बहे, सिर्फ 34 सेकेंड में ये बर्बादी हुई। हर्षिल में सेना के 11 जवान बादल फटने के बाद से लापता हैं।

चलती बस पर पेड़ गिरा, 4 जिलों में स्कूल बंद्-चंडीगढ़-मनाली फोरलेन बंद; शिमला-कुल्लू में लैंडस्लाइड, गाड़ियां दबीं

शिमला ,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार रात से जारी भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन दवाड़ा, कालका-शिमला सड़क चक्की मोड़ और पठानकोट-कांगड़ा हाईवे पर भूस्खलन के कारण यातायात बंद हो गया है। पूरे प्रदेश में 617 से ज्यादा सड़कें बंद हो गई है। हालात को देखते हुए शिमला, मंडी व कुल्लू जिलों के सात सब डिवीजन और पूरे सोलन जिले में सभी शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। शिमला शहर के चैल्सी, सेक्रेड हर्ट कॉन्वेंट और सेंट एडवर्ड स्कूल भी बंद कर दिए गए हैं। बद्दी के मानपुरा के मानकपुर में ढेला पंचायत व दवनी औद्योगिक क्षेत्र को जोड़ने वाला पुल सुबह तेज बारिश से टूट गया। कुल्लू के निरमंड उपमंडल के उर्टू में नाले का जलस्तर बढ़ने और लैंडस्लाइड से पांच गाड़ियां दब गई। यहां पर 6 से 7 दुकानों को भी नुकसान हुआ है। शिमला के टुटू में भी लैंडस्लाइड की चपेट में आने से 4 गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है। सुबह छोटा शिमला सचिवालय के पास एक चलती बस पर पेड़ गिर गया, लेकिन सौभाग्य से पेड़ का आधा हिस्सा केबल लाइन पर रुक गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। उधर, सतलुज नदी पर बने कोल-डैम से बुधवार सुबह 6 :30 बजे फिर से पानी छोड़ा गया है, जिससे जलस्तर बढ़ने पर पंजाब में अलर्ट जारी किया गया है।

फीस नियंत्रण विधेयक पर चर्चा जारी, आज सदन में पास होने की उमीद

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण एवं विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक-2025 पर गंभीर चर्चा हुई लेकिन यह पास नहीं हो सका। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इस बिल को लाखों अभिभावकों के लिए राहतकारी बताया। उन्होंने कहा कि ये निजी स्कूलों की मनमानी फीस पर लगाम लगाएगा। सत्ता पक्ष के विधायकों ने इसे अभिभावकों के हित में क्रांतिकारी कदम बताया। बुधवार को सदन में इस बिल के पास होने की उम्मीद है।

विधानसभा में मंगलवार को बहुप्रतीक्षित दिल्ली स्कूल शिक्षा विधेयक पर चर्चा के दौरान गहमागहमी रही। ये बिल सोमवार को शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सदन में पेश किया था लेकिन दो दिन बाद भी यह पास नहीं हो सका। सत्ताधारी भाजपा के विधायकों ने इसे दिल्ली के 18 लाख बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए गेम चेंजर बताया। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने चर्चा में कहा कि ये बिल दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 को और मजबूत करता है, उसे कमजोर नहीं। मंत्री सूद ने साफ किया कि एक भी अभिभावक की शिकायत पर शिक्षा विभाग मनमानी फीस वृद्धि के खिलाफ कार्रवाई करेगा। इस बिल के प्रमुख प्रावधानों ने अभिभावकों में उम्मीद जगाई है। सभी निजी स्कूलों को हर तीन साल में प्रस्तावित फीस स्ट्रक्चर जमा करना होगा और बदलाव सिर्फ तीन साल में एक बार ही हो सकेगा। स्कूलों को अपनी वित्तीय स्थिति सार्वजनिक करनी होगी।

अगर कोई स्कूल बिना इजाजत फीस बढ़ाता है तो 1 लाख से 10 लाख तक का जुर्माना लगेगा। बार-बार गलती करने पर यह जुर्माना दोगुना या तिगुना हो सकता है। अगर कोई स्कूल फीस के लिए बच्चे को तंग करता है तो प्रति बच्चा 50,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। गंभीर मामलों में स्कूल की मान्यता रद्द हो सकती है या सरकार उसका प्रबंधन अपने हाथ में ले सकती है। भाजपा विधायक राजकुमार भाटिया ने कहा कि ये बिल दिल्ली के लाखों अभिभावकों के लिए राहत है। विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने कहा कि बिल में छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखा गया है। अगर कोई स्कूल फीस के लिए अभिभावकों या बच्चों को परेशान करता है, तो उसे सजा मिलेगी।

तीन स्तरों की शिकायत निवारण प्रणाली : बिल में तीन स्तरों स्कूल, जिला और राज्य स्तर की शिकायत निवारण प्रणाली होगी। फीस तय करने में स्कूल के इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टाफ की सैलरी और सालाना वृद्धि को ध्यान में रखा जाएगा लेकिन मुनाफाखोरी पर सख्त रोक होगी। विवाद के दौरान स्कूल केवल पिछले साल की फीस ही वसूल सकेंगे। शिक्षा मंत्री ने अभिभावकों से इस बिल का समर्थन करने की अपील की।

विपक्ष ने बिल पर उठाए सवाल : हालांकि विपक्ष ने इस बिल पर कुछ सवाल उठाए जिसके चलते यह मंगलवार को पास नहीं हो सका। अब बुधवार को होने वाली चर्चा और मतदान पर सबकी नजर है। अगर यह बिल पास हो जाता है।

तहव्वुर के निजी वकील रखने की मांग की याचिका पर 7 को फैसला

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट में मंगलवार 26/11 मुंबई आतंकी हमले के कथित मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की परिवार से बात करने की याचिका पर सुनवाई हुई। राणा ने कोर्ट के सामने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए निजी वकील नियुक्त करने की मांग की है। इसके लिए वह अपने परिवार से बात करना चाहता है। विशेष न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने एनआईए और जेल अधिकारियों से जवाब मिलने के बाद इस मुद्दे पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। ऐसे में अदालत सात अगस्त को आदेश सुनाएगी। वहीं, मौजूदा समय तक उनका प्रतिनिधित्व कानूनी सहायता वकील की तरफ से किया जा रहा था। पिछली सुनवाई में अदालत ने राणा के उस आवेदन का निपटारा कर दिया जिसमें जेल अधिकारियों ने सुविधा देने से इन्कार किए जाने के मद्देनजर उसके परिवार के लिए नियमित टेलीफोन सुविधा की मांग की गई थी। कोर्ट ने राणा को अपने परिवार से बात करने के लिए एक कॉल करने की अनुमति दी थी। तो दिल्ली के निजी स्कूलों की फीस व्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा। मंगलवार को कुछ अभिभावकों ने दिल्ली विधानसभा परिसर में का धन्यवाद भी किया।

दबिश देने गई स्पेशल स्टाफ टीम पर शराब माफिया का हमला, सिपाही को लगीं चोटें... अस्पताल में भर्ती

दिल्ली ,एजेंसी। दक्षिण-पूर्व जिले के बदरपुर थाना क्षेत्र के गौतमपुरी निवासी शराब माफिया कैलाश सांसी के घर दबिश देने गई जिले की स्पेशल स्टाफ टीम पर उसने साथियों के साथ मिलकर हमला कर दिया। हमले में सिपाही सतबीर व लाखन घायल हो गए। सतबीर को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हमला करने वाले मुख्य आरोपी कैलाश, पत्नी सीता, समीर और एक नाबालिग को मंगलवार दोपहर पकड़ लिया। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार ये घटना सोमवार रात 10 बजे के बाद की है। बताया जा रहा है अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ऐश्वर्या शर्मा को रात में उपायुक्त कार्यालय बुलाया गया। उनकी देखरेख में जिले के करीब 500 पुलिसकर्मियों गौतम पुरी में शराब माफियाओं के घर पर दबिश दी। हालांकि रात में कैलाश सांसी व उसके परिवार के सदस्य मौके से फरार हो गए थे। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने पांच मंजिल बने कैलाश सांसी के घर में तोडफ़ोड़ की थी। भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की दबिश से इलाके में दहशत फैल गई थी। पकड़े गए मुख्य आरोपी कैलाश के खिलाफ 8 से अधिक आबकारी अधिनियम के मामले दर्ज हैं। पत्नी सीता कैलाश के साथ शराब की तस्करी में शामिल रहती थी।जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि आरोपी इलाके में खुलेआम शराब बेचते थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम के साथ सिपाही सतबीर व लाखन मौके पर पहुंचे तो कैलाश और उसके साथी सीढ़ियों पर खुलेआम शराब बेच रहे थे। उन्होंने बताया कि जब कैलाश से पूछताछ की गई तो उसने भीड़ को टीम पर हमला करने के लिए भड़काया। इसके बाद पकड़े गए आरोपियों समेत अन्य लोगों ने पुलिस टीम पर लाठियों और ईंटों से हमला कर दिया।

कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और गश्त को और तेज किया गया है, अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम सर्च ऑपरेशन चला रही है।मंगलवार शाम करीब चार बजे स्टाफ बिल के इस घटना की सूचना उनकी बहन ने उनको फोन पर दी। उनकी प्रशासन से मांग है कि बेटा बहू ने जो शोक यात्रा निकाली है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही मकान और जमीन वापस दिलाई जाए। मंगलवार को लालचंद को इंसाफ दिलाने के लिए पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत की ओर से उसके पूरे परिवार का गांव से बहिष्कार कर दिया गया है।

मुआवजे के 25 लाख रुपये के लालच में बेटे ने निकाली जिंदा पिता की शोक यात्रा, पंचायत ने किया बहिष्कार

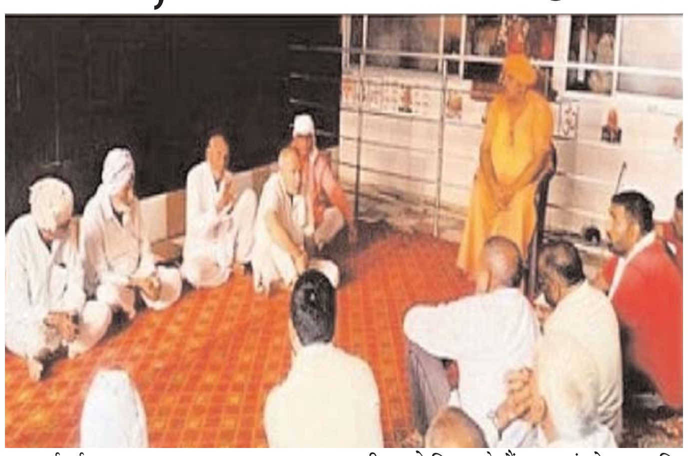

फरीदाबाद,एजेंसी। महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई। सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की। सरकार की इस घोषणा का गलत तरीके से फायदा उठाने के लिए पृथला विधानसभा के गांव पन्हेड़ा कला में रखने वाले राजेंद्र देव ने साजिश रची। उसने 3 अगस्त को मुआवजे के 25 लाख रुपये हासिल करने के लिए अपने जिंदा पिता लालचंद को मृत घोषित कर गांव में शोक यात्रा निकाली। उसके पिता लालचंद अलीगढ़ में अपने किसी रिश्तेदार के यहां नौ महीने से रह रहे हैं। यह शोक यात्रा लालचंद के बेटे राजेंद्र देव ने 21 किलो आटे का दीप जलाकर निकाली। यात्रा ढोल नगाड़े के साथ निकाली गई। इससे पहले राजेंद्र देव की ओर से गांव में जगह-जगह पोस्टर लगाए गए। साथ ही, सोशल मीडिया पर लोगों को यात्रा में शामिल होने के लिए गुजारिश की। राजेंद्र देव ने बताया कि उनके पिता की मृत्यु हो चुकी है। उनकी याद में शोक यात्रा निकाली गई है। इस घटना के बारे में जब उनके पिता लालचंद को पता चला तो उन्होंने अलीगढ़ से ही सरपंच धर्मवीर के पास फोन कर यात्रा को रोकने के लिए कहा। धर्मवीर गांव के लोगों के साथ जब उसके घर पर पहुंचे तो यात्रा घर से निकल चुकी थी। चौराहे पर यात्रा को रोककर पिता लालचंद से उसकी बात करवाई गई।

25 लाख का था लालच : महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई भक्तों की जान चली गई थी। इस पर यूपी सरकार ने कहा था कि जिन साधु या भक्तों की जान गई है, उसके परिवार के लोगों को 25 लाख रुपये दिए जाएंगे। उस रकम को पाने के लिए राजेंद्र देव ने अपने जिंदा पिता को ही मृत घोषित कर दिया और गांव में शोक यात्रा निकाली। गांव के लोगों का आरोप है कि उसने गांव के लोगों के बीच में यह भी कहा है कि उसको पिता के नाम पर 25 लाख रुपये भी उनको मिल चुके हैं। लालचंद ने बताया कि वह अलीगढ़ से दो अगस्त की शाम को साइकिल से गांव पन्हेड़ा कला के लिए रवाना हुए थे। वह पांच अगस्त की दोपहर को गांव में पहुंचे।

प्रशासन से इंसाफ की मांग : बेटे राजेंद्र देव ने जबरदस्ती उनकी जमीन अपने नाम करवा ली, उसके बाद मारपीट कर नौ महीने पहले घर से निकाल दिया था। तब से वह अलीगढ़ में एक छोटी सी कुटिया में तीन अनजान लोगों के साथ रह रहे हैं।

ब्राजीली राष्ट्रपति ने ठुकराई ट्रंप की पेशकश; लूला का करारा जवाब- मैं पीएम मोदी से बात करूंगा

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में हाल ही में कहा कि ब्राजील के राष्ट्रपति उन्हें टैरिफ पर बात करने के लिए फोन कर सकते हैं। हालांकि ब्राजीली राष्ट्रपति ने ट्रंप की ये पेशकश ठुकरा दी है। ब्राजीली राष्ट्रपति ने कहा कि उनका देश अपने हितों की रक्षा के लिए विश्व व्यापार संगठन सहित सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बात करने के बजाय ब्रिक्स संगठन के सहयोगी देशों से बात करेंगे। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्राजील पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया था।

ब्राजील अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों का सबसे खेदजनक समय: ट्रंप के एलान के बाद अमेरिका और ब्राजील के संबंधों में तनाव बढ़ गया है। ब्राजीली राष्ट्रपति लूला ने अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के दिन को दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के इतिहास का सबसे खेदजनक समय बताया। लूला ने कहा कि उनकी सरकार ब्रिक्स भागीदारों सहित अन्य देशों के साथ विदेशी व्यापार को मजबूत करने के लिए पहले से ही कार्रवाई शुरू कर चुकी है।

पीएम मोदी से बात करूंगा: लूला ने ब्रासीलिया में एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, 2025 में, हम अपने हितों की रक्षा के लिए विश्व व्यापार संगठन से बातचीत शुरू करने के साथ ही सभी संभव उपायों का सहारा लेंगे। ब्राजील के नेता ने कहा कि वह टैरिफ पर चर्चा के लिए ट्रंप को फोन नहीं करेंगे, क्योंकि अमेरिकी नेता बात नहीं करना चाहते लेकिन मैं शी जिनपिंग को फोन करूंगा, मैं प्रधानमंत्री मोदी को फोन करूंगा। मैं पुतिन को फोन नहीं करूंगा, क्योंकि वह अभी यात्रा नहीं कर सकते। लेकिन मैं कई राष्ट्रपतियों को फोन करूंगा।

कॉप 30 में आमंत्रित करेंगे ट्रंप को : बढ़ते तनाव के बावजूद, लूला ने कहा कि वह नवंबर में पारा के बेलेम में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन, छ्व्हृक्क30 में राष्ट्रपति ट्रंप को आमंत्रित करेंगे। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, लूला ने कहा, मैं ट्रंप को छ्व्हृक्क30 में आमंत्रित करने और जलवायु मुद्दे पर उनकी राय जानने के लिए फोन करूंगा। अगर वह इसमें शामिल नहीं होते हैं।

रूस-यूक्रेन शांति वार्ता की नई उम्मीद, मॉस्को पहुंचे ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकोफ

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता की कोशिशों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विशेष दूत स्टीव विटकोफ बुधवार को रूस की राजधानी मॉस्को पहुंचे। विटकोफ की मॉस्को यात्रा यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच हो रही है। कारण है कि बीते दिनों व्हाइट हाउस ने रूस को चेतावनी दी है कि अगर जल्दी शांति नहीं हुई तो कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

बता दें कि रूस पहुंचने के साथ ही स्टीव विटकोफ को मॉस्को के जरयादये पार्क में रूस के राष्ट्रपति के आर्थिक मामलों के दूत किरील दिमित्रीव के साथ घूमते देखा गया। दिमित्रीव पहले भी रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता में अहम भूमिका निभा चुके हैं।

दिमित्री पेस्कोव ने किया विटकोफ का स्वागत : हालांकि रूस की तरफ से अभी यह नहीं बताया गया है कि विटकोफ राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे या नहीं। क्रीमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने विटकोफ के आने का स्वागत किया। साथ ही कहा कि ये बातचीत बहुत जरूरी और फायदेमंद हैं।

ट्रंप ने रूस को दी थी अंतिम तारीख : इससे पहले ट्रंप ने रूस को शुक्रवार तक की अंतिम तारीख दी है। अगर यूक्रेन में हिंसा नहीं रुकी तो अमेरिका रूस पर भारी टैक्स और कड़े आर्थिक कदम उठा सकता है। हालांकि, अब तक रूस की क्रीमलिन ने अमेरिकी धमकियों को नजरअंदाज किया है और बातचीत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है।

क्या कहना है यूक्रेन का : वहीं यूक्रेन का कहना है कि ये प्रतिबंध रूस की युद्ध ताकत को कमजोर कर रहे हैं और वह चाहता है कि पश्चिमी देश इन्हें और कड़ा करें। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों से अपील की कि वे रूस के ऊर्जा, व्यापार और बैंकिंग सेक्टर पर और सख्त प्रतिबंध लगाएं। अभी मृतकों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। नावा जो नेशन के राष्ट्रपति, बू नाइगरेन ने इस दुर्घटना पर सोशल मीडिया के जरिए शोक व्यक्त करते हुए कहा, ये लोग अपनी जान दूसरों की जान बचाने के लिए जोखिम में डालते थे। इनकी मौत पूरे नावा जो नेशन के लिए बहुत बड़ी क्षति है। हैं और वहां अत्याधुनिक या ट्रॉमा केयर की सुविधाएं नहीं होतीं, बड़े अस्पतालों में ले जाया जाता है।

हिरोशिमा पर परमाणु हमले के 80 साल पूरे, यहां के लोग बोले- ये गलती अब कभी न दोहराई जाए

हिरोशिमा, एजेंसी। जापान के हिरोशिमा पर हुए परमाणु हमले की बुधवार को 80वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह वर्षगांठ ऐसे समय मनाई जा रही है, जब दुनिया में परमाणु युद्ध का खतरा फिर से सिर उठा रहा है और दुनिया कई युद्ध की चपेट में है। यही वजह है कि हिरोशिमा परमाणु हमले में बचे लोग मौजूदा हालात को लेकर बेहद चिंतित हैं और उन्होंने विभिन्न नेताओं द्वारा परमाणु युद्ध को दिए जा रहे समर्थन पर नाराजगी भी जाहिर की। हिरोशिमा परमाणु हमले में बचे लोगों की संख्या लगातार घट रही है और अब उनकी औसत उम्र 86 साल है।

परमाणु युद्ध का खतरा सामने है : बीते साल परमाणु उन्मूलन के लिए काम करने वाले संगठन निहोन हिडानक्यो को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस संगठन में परमाणु बम हमले में बचे लोग सदस्य हैं। संगठन ने एक बयान में कहा कि हमारे पास अब बहुत ज्यादा समय नहीं बचा है, जबकि हम पहले से हैं। ज्यादा बड़े परमाणु युद्ध के खतरे का सामना कर रहे हैं। अब हमारी सबसे बड़ी चुनौती उन परमाणु हथियार संपन्न देशों को बदलना है जो हमें अनदेखा करते हैं। बीते साल परमाणु उन्मूलन के लिए काम करने वाले संगठन निहोन हिडानक्यो को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस संगठन में परमाणु बम हमले में बचे लोग सदस्य हैं। संगठन ने एक बयान में कहा कि हमारे पास अब बहुत ज्यादा समय नहीं बचा है, जबकि हम पहले से ज्यादा बड़े परमाणु युद्ध के खतरे का सामना कर रहे हैं। अब हमारी सबसे बड़ी चुनौती उन परमाणु हथियार संपन्न देशों को बदलना है जो हमें अनदेखा करते

6 अगस्त 1945 को हुआ था परमाणु हमला : 6 अगस्त, 1945 को हिरोशिमा पर हुए परमाणु बम हमले ने शहर को तबाह कर दिया था और 1,40,000 लोग मारे गए थे। तीन दिन बाद नागासाकी पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया, जिसमें 70 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। इन हमलों के फलस्वरूप जापान ने 15 अगस्त 1945 को आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे द्वितीय विश्व युद्ध और एशिया में जापान की लगभग आधी सदी की आक्रामकता का अंत हो गया। हिरोशिमा के मेयर काजुमी मात्सुई, प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा और अन्य अधिकारियों ने समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित किए। हमले में बचे हुए लोग और उनके परिवार के लोग आधिकारिक समारोह से कुछ घंटे पहले पीड़ितों को श्रद्धांजलि देंगे। 74 वर्षीय सेवानिवृत्त काजुओ मियोशी, बमबारी में मारे गए अपने दादा और दो प्रार्थना की कि समाधि स्थल पर लिखे शिलालेख के जाए।

युवक ने कन्हैया नगर मेट्रो के आगे छलांग लगाकर दी जान, नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

नई दिल्ली ,एजेंसी। दिल्ली के कन्हैया नगर मेट्रो स्टेशन पर सोमवार रात एक युवक ने ट्रेन के आगे छलांग लगाकर जान दे दी। मृतक की शिनाख्त मिथलेश कुमार (33) के रूप में हुई है। उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसकी वजह से खुदकुशी करने के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस मृतक के परिवार वालों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

मेट्रो पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि सोमवार देर रात 11.37 बजे नेताजी सुभाष प्लेस मेट्रो स्टेशन थाना पुलिस को कन्हैया नगर मेट्रो स्टेशन पर एक युवक के ट्रेन की चपेट में आने से घायल होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विपनेश तोमर टीम के साथ स्टेशन पर पहुंचीं। युवक के सिर में गंभीर चोट लगी थी। पुलिस घायल युवक को दीपचंद बंधु अस्पताल लेकर गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तलाशी लेने पर उसके पास से मिले दस्तावेज के जरिये उसकी पहचान अशोक विहार निवासी मिथलेश कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने परिवार वालों को घटना की जानकारी दी। छानबीन के दौरान पुलिस ने स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जिसमें पता चला कि मिथलेश ने ट्रेन के आगे छलांग लगाकर खुदकुशी की थी। परिवार वालों से पूछताछ में पता चला कि मिथलेश अपनी पत्नी और तीन साल की बेटी के साथ अशोक नगर में रहता था। वह वैशाली में कैमिस्ट की दुकान में काम करता था। पत्नी ने बताया कि मिथलेश को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं थी। ऐसे में उसके खुदकुशी करने पर परिवार वाले भी हैरान है।

दिल्ली विधानसभा में फांसी घर पर जोरदार बहस, ब्रिटिश परिषद से मांगे गए ऐतिहासिक दस्तावेज

दिल्ली,एजेंसी। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को ब्रिटेन की संसद की उपाध्यक्ष नुसरत घानी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस दौरान लोकतंत्र, शिक्षा और दिल्ली विधानसभा की ऐतिहासिक विरासत पर खुलकर बात हुई। विजेंद्र गुप्ता ने ब्रिटिश परिषद से दिल्ली विधानसभा से जुड़े ऐतिहासिक दस्तावेज मांगे।

विजेंद्र गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि दिल्ली विधानसभा भवन कभी ब्रिटिश इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल था। इसे वे राष्ट्रीय विरासत के रूप में सहेजने की तैयारी कर रहे हैं। भारत-ब्रिटेन के रिश्तों और दिल्ली की नेट-जीरो कार्बन विधानसभा की उपलब्धियों को साझा किया। नुसरत घानी ने दिल्ली विधानसभा की मेजबानी और इसकी आधुनिक पहलों की सराहना की। विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि भारत-ब्रिटेन के बीच आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) और विजन 2035 से रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने 1.7 लाख भारतीय छात्रों के ब्रिटेन में पढ़ाई और गुरुग्राम में साउथहैम्पटन विश्वविद्यालय के नए कैंपस की पहल की तारीफ की। विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा की उपलब्धियां भी गिनाई। उन्होंने पेपरलेस ई-विधान प्रणाली (नेवा) और 500 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र की जानकारी दी।

महिला सांसद से चैन छीनने वाला आरोपी गिरफ्तार, 20 से ज्यादा मामले हैं दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी जिला पुलिस ने महिला सांसद सुधा आर की चैन छीने वाले आरोपी रावत को मंगलवार रात को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 20 से ज्यादा मामले दर्ज हैं और वह दक्षिणी दिल्ली के हरकेश नगर का रहने वाला है। आरोपी ने अकेले ही वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वह ज्यादातर अकेली चेन झपटमरी की वारदातों को अंजाम देता था। आरोपी रावत ने महिला सांसद की करीबन 4 तोले की सोने की चेन उस समय छीन ली थी जब वह महिला साथी के साथ पोलैंड एंबेसी के पास सुबह की सैर के लिए निकली थी । इस मामले में चाणक्यपुरी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया था। देर रात तक आरोपी सफदरजंग हॉस्पिटल के सामने से जाते हुए ट्रैक हुआ था। जब मामला दक्षिण दिल्ली में पहुंचा तो दक्षिण जिला पुलिस सक्रिय हो गई। इसके बाद दक्षिण जिले के वाहन चोरी निरोधक दस्ते ने आरोपी रावत को दिन में झपटमारी की कई वारदातों को अंजाम देता था और अकेले ही वारदात करता था। आरोपी का कहना है कि उसे पता नहीं था कि वह महिला संसद की चेन छीन रहा है।

होटल में फंदे से लटका मिला बुजुर्ग का शव

नई दिल्ली,एजेंसी। मध्य जिले के नबी करीम स्थित एक होटल में मंगलवार शाम बुजुर्ग का शव फंदे से लटका मिला। मृतक की शिनाख्त सुभाष चंद अरोड़ा (66) के रूप में हुई है। पुलिस को सुसाइड नोट बरामद हुआ है। नोट में बुजुर्ग ने अपनी मौत का जिम्मेदार किसी को नहीं बताया है। लिखा है कि वह अपनी मर्जी से मौत को गले लगा रहे हैं, उनकी मौत के बाद किसी को परेशान न किया जाए। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने मृतक का मोबाइल व बाकी सामान कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। सुभाष चंद गुजरात के साउथ भोपाल के रहने वाले थे। परिवार को भी खबर दे दी गई है। परिवार के दिल्ली आने के बाद ही उनके इस कदम का खुलासा हो पाएगा। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 6.05 बजे टीम को नबी करीम के होटल शिव देव से सूचना मिली कि यहां एक गेस्ट ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली है। रविवार को सुभाष चंद ने होटल में कमरा लिया था। वह कमरा नंबर-2005 में आकर ठहरे थे।

जिला अस्पताल में प्रसूता की मौत पर परिजनों का हंगामा

बेटी के जन्म के बाद महिला की बिगड़ी हालत, डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला अस्पताल में एक बार फिर एक गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम सर्रा, थाना चुरहट निवासी गनेश केवट की पत्नी पूजा केवट (34) की ऑपरेशन के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

पति बोला डॉक्टरों ने सिर्फ आश्वासन दिया: गनेश केवट ने बताया कि वह 4 अगस्त की दोपहर लगभग 2 बजे प्रसव पीड़ा से परेशान पत्नी को जिला अस्पताल लेकर आया था। डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि पूजा के पेट में दो बच्चे हैं। सोनोग्राफी के लिए उन्हें मिश्रा नर्सिंग होम भेजा गया।

रिपोर्ट आने के बाद डॉक्टर ने बताया कि एक बच्चा उल्टा है। इसलिए ऑपरेशन करना होगा। परिजनों से खून की व्यवस्था करने को कहा गया। परिवार ने दो यूनिट खून उपलब्ध कराया। ऑपरेशन के बाद एक स्वस्थ बच्ची का जन्म हुआ। लेकिन इसके बाद पूजा की हालत बिगड़ने लगी।

टांके लगाने पर तड़पने लगी प्रसूता: परिजनों के अनुसार, टांके लगाने के बाद पूजा तड़पने लगी और उसका बीपी तेजी से गिरने लगा। डॉक्टरों ने बताया कि ज्यादा खून बहने के कारण बच्चेदानी निकालनी पड़ेगी। उन्होंने कई बार आश्वासन दिया कि स्थिति सामान्य है। लेकिन मंगलवार रात 9 बजे पूजा की मौत हो गई।

इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल था। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कोतवाली पुलिस को बुलाया गया। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की है।

घटना पर शून्य में रिपोर्ट दर्ज: थाना प्रभारी कोतवाली कन्हैयालाल बघेल ने बताया कि घटना को शून्य (0) में दर्ज किया गया है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। वहीं अस्पताल में हंगामा कर रहे परिजनों को भी शांत कराया दिया गया है।

जिले में खाद के लिए दर दर भटकने को मजबूर किसान: पंकज सिंह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया के उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा है कि पूरे जिले में इस साल फिर से खाद का संकट गहराया। जिले का किसान खाद की कमी से हलकान परेशान व दर दर भटकने को मजबूर। जिले में खाद वितरण की पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की सख्त जरूरत है। सीधी को इस साल जरूरत से आधी मात्रा में ही खाद अभी तक आवंटित हुई है। किसानों में खाद लेने के लिए मारा मारी मची हुई है। पंकज ने प्रदेश सरकार के मुखिया से आग्रह किया है कि केन्द्र सरकार को पत्र लिखने में समय जाया न करें बल्कि व्यक्तिगत रूचि लेकर स्वयं दिल्ली जाकर या फोन पर केन्द्र सरकार से बात करें। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तो मध्य प्रदेश के ही हैं तो फिर क्या दिक्कत है? प्रदेश में खाद की किल्लत क्यों हो रही है?

प्रदेश उपाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को सचेत करते हुए कहा कि किसानों का आक्रोश बढ़े उसके पहले ही खाद की पर्याप्त व्यवस्था करवायें अन्यथा अप्रिय स्थिति निर्मित होने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि प्रायवेट दुकान वाले वर्तमान परिस्थितियों का फायदा उठाकर आपदा में अवसर तलाश रहे है। यूरिया की काला बाजारी हो रही है और ब्लैक में दोगुने दामों पर बिक रही है। पंकज सिंह ने कहा कि जिले में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को भी निर्देश दिये जायें कि वे किसानों से दुर्व्यवहार न करें। उन्हें खाद के लिए चक्कर न कटवाऐं। जितना स्टाक हो उतने की किसानों को टोकन दें और बाकी को अगले दिन बुलायें। घंटों और रात रात भर इन्तजार करने के बाद उन्हें वापस कर दिया जाता है। इन परिस्थितियों से निपटने के लिए पारदर्शी व्यवस्था की जरूरत है जिससे किसानों में आक्रोश न फैले।

सीधी के एडीएम होंगे मऊगंज के जॉइंट कलेक्टर, चार नए अफसरों की पदस्थापना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी प्रशासनिक फेरबदल में सीधी जिले को राहत मिली है। लंबे समय से रिक्त चल रहे अपर कलेक्टर के पद पर मऊगंज के संयुक्त कलेक्टर बृजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय की पदस्थापना की गई है। इस फेरबदल में कुल सात अधिकारियों के तबादले और पदस्थापन की घोषणा हुई है। सीधी जिले के तीन अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। चार नए अधिकारियों की सीधी में नियुक्ति हुई है। सीधी कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी ने बताया कि बुधवार को सभी अधिकारियों को स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

सीधी से स्थानांतरित होने वाले अधिकारियों में डिप्टी कलेक्टर शिव प्रकाश मिश्रा को मैहर भेजा गया है। संयुक्त

कलेक्टर प्रशांत त्रिपाठी का तबादला सिंगरौली किया गया है। गोपद बनास के एसडीएम रहे संयुक्त कलेक्टर नीलेश कुमार शर्मा को नर्मदापुरम भेजा गया है। नई पदस्थापना में सिंगरौली के संयुक्त कलेक्टर राजेश कुमार शुक्ला को गोपद बनास का एसडीएम बनाया गया है। गुना से संयुक्त कलेक्टर विकास कुमार आनंद को भी सीधी लाया गया है। छतरपुर के प्रभारी डिप्टी कलेक्टर राकेश कुमार शुक्ला को सीधी भेजा गया है।

दलित युवती से गैंगरेप, पीड़िता का मुंह दबाकर जंगल में घसीटकर ले गए 4 आरोपी; प्रेमी के सिर में डंडा मारा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। दलित युवती से गैंगरेप का मामला सामने आया है। युवती अपने प्रेमी के साथ जंगल में घूमने और फोटो खिंचाने गई थी। यहां चार बदमाशों ने युवक पर हमला कर दिया। इसके बाद युवती से गैंगरेप किया। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक फरार है।

घटना चुरहट के जंगल की है। मंगलवार को वारदात के बाद पीड़िता रोती-बिलखती जंगल से बाहर गांव में आई। उसने भवन निर्माण का काम कर रहे लोगों से मदद मांगी और आपबीती सुनाई। सरपंच पति दलबीर सिंह को युवती ने बताया कि वह प्रेमी के साथ जंगल से बाहर आने के लिए नीचे उतर रही थी, तभी आरोपियों ने उसका मुंह दबा दिया और उसके प्रेमी के सिर पर डंडा मारा। वह जमीन पर गिर पड़ा। दो आरोपी पीड़िता को जंगल की ओर खींचकर ले गए, जबकि दो युवक प्रेमी को पकड़े रहे। पीड़िता ने बताया कि वह गिड़गिड़ाती रही। उसने आरोपियों के पैर भी पकड़े, लेकिन वे नहीं माने।

दोनों के मोबाइल छीनकर भागे आरोपी: पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने उन्हें धमकाया कि अगर किसी को बताया तो दोनों को जान से मार देंगे। दोनों के मोबाइल भी छीन लिए। किसी तरह खुद को संभालते हुए पीड़िता जंगल से दोपहर करीब 2.30 बाहर आई। इसके बाद दलबीर सिंह ने पुलिस को सूचना दी। कुछ देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जंगल में गई। वहां एक टॉवल और कुछ जगहों पर संघर्ष के निशान मिले। वहीं, पुलिस पूरी रात गांव-गांव जाकर पूछताछ करती रही। सीधी एसपी डॉ. रवींद्र वर्मा ने बताया कि मामले में चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। तीन को राउंडअप कर लिया है, एक फरार है। पांच टीमें सर्चिंग कर रही हैं। कल रात से क्षेत्र की सर्चिंग की जा रही है।

पुलिस ने पीड़िता को अस्पताल पहुंचाया: एसडीओपी चुरहट आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि घटना की जानकारी सबसे पहले सेमरिया थाने को मिली थी, क्योंकि पीड़िता पहले वहां पहुंची। अस्पताल में प्राथमिक इलाज कराने के बाद मामला मंगलवार देर रात चुरहट थाने में दर्ज किया गया।

ट्रक की टक्कर से पिता की मौत, 2 बेटियां गंभीर; चालक के खिलाफ केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के खाखीपार दुधिया टोला में मंगलवार शाम एक ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार शख्स की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हैं।

सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि शाम करीब 7 बजे यह घटना तब हुई, जब नरेंद्र सिंह (35) अपनी दो बेटियों काजल (9) और रीतू (16) के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर जा रहे थे। खाखीपार दुधिया टोला के पास ट्रक (सीजी 04 जेबी 7418) के चालक ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।

इस हादसे में नरेंद्र सिंह ने दम तोड़ दिया। वहीं उनकी दोनों बेटियों को गंभीर चोटें आई हैं। घायल बच्चियों को इलाज के लिए सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) में भर्ती कराया गया है। वहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

नपा सीएमओ पर अभद्रता का आरोप, धनपुरी में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से नगर की सफाई व्यवस्था ठप

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। नगर पालिका धनपुरी के सफाई कर्मचारियों ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए बुधवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। इस हड़ताल के कारण नगर की सफाई व्यवस्था और घर-घर से कचरा संग्रहण की प्रक्रिया पूरी तरह से ठप हो गई है।

कर्मचारियों का आरोप है कि सीएमओ ने पिछले दिनों उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि अधिकारी ने उनके काम की सराहना करने के बजाय अपमानजनक टिप्पणियां कीं। हड़ताल में शामिल एक सफाई कर्मचारी ने बताया, हम अपनी मेहनत से इस शहर को साफ रखते हैं, लेकिन हमें जिस तरह से अपमानित किया गया, उससे हम आहत हैं। हम चाहते हैं कि हमारी मेहनत की कद्र की जाए। हड़ताल के चलते नगर में स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधित मुद्दे गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। शहर के कई हिस्सों में कचरे के ढेर लगने शुरू हो गए हैं। स्थानीय निवासियों में इस स्थिति को लेकर चिंता का माहौल है। अभी तक नगर पालिका प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इस विवाद का समाधान नहीं निकाला गया तो स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

अवैध रेत खनन करती ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, ब्यौहारी पुलिस के सामने से चालक मौके से फरार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बुधवार सुबह सूखा गांव से रेत ले जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को ब्यौहारी पुलिस ने जब्त कर लिया है, जबकि उसका चालक मौके से फरार हो गया। ब्यौहारी पुलिस को सूचना मिली थी कि सूखा गांव में अवैध तरीके से रेत का खनन कर परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम गांव की तरफ रवाना हुई। पुलिस को अपनी ओर आते देख ट्रैक्टर चालक घबरा गया और वाहन छोड़कर मौके से भाग गया। पुलिस ने तत्काल ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में ले लिया, जिसमें भारी मात्रा में रेत भरी हुई थी। जब्त किए गए वाहन को ब्यौहारी थाने लाया गया है।

खनिज अधिनियम के तहत केस दर्ज: ब्यौहारी थाना प्रभारी अरुण पांडेय ने बताया कि अवैध रेत खनन को लेकर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में खनिज अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध खनन को रोकने के लिए ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

शहडोल के अंधा चौराहा में नहीं लगे सांकेतिक बोर्ड, मेडिकल स्टॉफ के साथ सैकड़ों मरीजों की होती है आवाजाही

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। मेडिकल कॉलेज मार्ग पर स्थित अंधा चौराहा लगातार हादसों का केंद्र बन रहा है। इस चौराहे पर कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं जिनमें कई लोगों की जानें गई हैं। प्रशासन ने पहले इस समस्या पर कुछ कदम उठाए थे। लेकिन कुछ दिनों बाद सुरक्षा उपायों को हटा दिया गया। अब यह स्थान फिर से खतरनाक बन गया है। चौराहे के चारों ओर कोई सांकेतिक बोर्ड नहीं है। इससे वाहन चालकों को परेशानी होती है। स्थानीय निवासी संजीव कुमार के अनुसार यहां रोज हादसे होते हैं। बिना चेतावनी के वाहन तेज गति से आते हैं जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है।

जल्द ही स्टॉपर दोबारा लगाएंगे: यातायात थाना प्रभारी शिवेंद्र राम भगत ने बताया कि कुछ समय पहले यहां से स्टॉपर हटा लिए गए थे। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही स्टॉपर दोबारा लगाएंगे। इससे वाहनों की गति नियंत्रित होगी। उनकी प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा है। स्थानीय लोगों का मानना है कि ये उपाय पर्याप्त नहीं हैं। कॉलेज छात्रा काजल ने बताया कि यहां ट्रैफिक पुलिस का न होना चिंताजनक है।

जिला न्यायालय परिसर व किशोर न्याय बोर्ड परिसर में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर स्थिति ए.डी.आर. सेंटर एवं किशोर न्याय बोर्ड जिला सीधी में 6 अगस्त को दीपक शर्मा प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, मृदुल लटौरिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी व मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, सुनीता रावत प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक द्वारा जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों को उनके

विधिक अधिकारों एवं उपलब्ध निःशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। शिविर का उद्देश्य आमजन तक न्याय तक सुलभ पहुँच सुनिश्चित करना था।

शिविर के दौरान प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक शर्मा ने उपस्थित लोगों को विधिक सहायता योजनाओं, वरिष्ठ नागरिको, महिलाओं, बच्चों एवं समाज के कमजोर वर्गों को मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी। मृदुल लटौरिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी ने उपस्थित पक्षकारों को निःशुल्क विधिक सहायता योजना, नालसा हेल्पलाईन नं. 15100, नालसा पोर्टल, पीड़ित प्रतिकर योजना, लोकोपयोगी लोक अदालत, मध्यस्थता योजना की जानकारी दी। मनीष कौशिक ने आगामी 13 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में की जानकारी दी। उन्होने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आमजन को न्याय दिलाने हेतु निरंतर कार्यरत है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे ने पंच-ज अभियान के बारे में विस्तार से बताया। शिवहरे ने पौधारोपण के पर्यावरणीय, सामाजिक एवं स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालते हुए लोगों को अधिकाधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। शिविर में दीपक शर्मा प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, मृदुल लटौरिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, अधिवक्तागण, न्यायालयीन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के कर्मचारीगण एवं आमजन नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 2580/स्टोर/2025 रीवा,दिनांक - 05/08/25

निविदा आमंत्रण सूचना वर्ष 2025-26

प्राचार्य शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा द्वारा पुस्तकालय (पुस्तक व स्टेशनरी) से सम्बंधित सामग्री। वाचनालय (पत्र-पत्रिका) सम्बंधित कार्य। समस्त विज्ञान संकाय हेतु प्रायोगिक कार्य हेतु लगने वाले कैमिकल्स व सामग्री क्रय का कार्य। संगीत विभाग से सम्बंधित वाद्य यंत्र क्रय एवं सुधार का कार्य। महाविद्यालय में भवन निर्माण सम्बंधित सामग्री। खेल मैदान मरम्मत हेतु सामग्री। महाविद्यालय में टेंट सम्बंधित कार्य। फ्लैक्स / बैनर / विनायल / पोस्टर /प्रपत्र एवं मीडिया / प्रचार संबंधी कार्य एवं नोटिस बोर्ड / दीवारों पर पेंट द्वारा लिखावट का कार्य, अलग-अलग आकार में। महाविद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी का कार्य। टैक्सी / इनोवा / इनोवा समकक्ष गाड़ी एवं बस किराये से लेने का कार्य। अग्निशामक यंत्र रिफिल व नये अग्रिशामक यंत्र के कार्यों हेतु निविदा दिनांक 27.08.2025 शाम 04.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार निविदा की विस्तृत शर्ते निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी महाविद्यालय की वेबसाइट www.trscollege.com से प्राप्त की जा सकती है।

प्राचार्य
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

संपादकीय

किसान रोता है तो सारा जग रोता है

किसान तो मिट्टी से प्यार करता है, मिट्टी ही उसका जीवन है, मिट्टी ही उसका भविष्य और अंतिम परिणित भी वही, अर्थात उसके लिए मिट्टी ही सब कुछ है, जो इस वसुंधरा को चीर कर उसे कृषि हेतु उपयोगी बनाता है ताकि उसमें फसलों का रोपड़ हो सके और यदि उसके इस कार्य में बाधा न उत्पन्न हो तो किसान खुशहाल और यदि इसमें बाधा उत्पन्न होती है, तो उसका सारा भविष्य चौपट और तभी किसान रुदन करता है। फिर भी किसान सट्टेबाज होता है। वह अपनी पूंजी उसी मिट्टी को सौंप देता है और प्रतीक्षा करता है, अनुकूलता मिली तो संपन्नता आई, नहीं मिली तो विपन्नता और जब किसान विपन्न होता है, तो अभावग्रस्त होता है, तपता है ग्रीष्म की झुलसन में और ठिठुरता है ठंडक में और ऐसी स्थिति में किसान रोता है जब उसकी आंखों के सपने उसी से परिहास करते हैं और वह अपनी हृदय की पीड़ा की कडुआहट पीकर दिन गुजारता है, रात्रि गुजारता है और कर्ज के बोझ से दबकर न जानें कहां उसकी हंसी किस मरुस्थल में खो जाती है, क्योंकि फसलों में कभी सूखे की चोट पड़ती है, तो कभी तुषार का तो कभी आकाशीय बर्फपात का, तो किसान रोता है।

क्षुधा पूर्ति का भगवान किसान: जब नहरें आवश्यकतानुसार पानी नहीं दे पाती, कुएं और बोर भी सूख जाते हैं तब किसान अपनी आशाभरी दृष्टि उपर बादलों की ओर करता है, जहां बदलियों का धरती से धूप – छांव का खेल चल रहा होता है, तब किसान के सपने इसी धारा पर बिखर कर अपना दम तोड़ते नजर आते हैं, तब किसान रोता है और रोता ही नहीं इतना विवश हो जाता है कि उसके अंतर्मन की दसा कोई किसान ही समझ सकता है, क्योंकि किसान अपना सुख त्याग कर मिट्टी में सनकर जो फसलें उगाता है, तो उसी अन्न से संसार के सभी जीवों का पोषण होता है, फिर चाहे वह उद्योगपति हो या प्रोफेसर, साहित्यकार हो या वकील पक्षी जगत का प्राणी हो या जानवर, ग्रहस्त हो या वैरागी सब के क्षुधा की पूर्ति किसान के मेहनत से होती है और जब मेहनत निष्फल होती है, तब किसान रोता है। मैं स्वयं किसान हूं, इसलिए किसान की पीड़ा समझ सकता हूं और हमारा भाव यही है कि आप भी किसी न किसी प्रकार किसान से संबद्ध हैं।

अभिषेक बनर्जी की ताजपोशी और कल्याण बनर्जी की विदाई करके मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने क्या संकेत दिये हैं?

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हलचल मच गई है। सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपने वरिष्ठ नेता और बांकुड़ा से सांसद कल्याण बनर्जी को पार्टी के मुख्य सचेतक पद से हटा दिया है साथ ही लोकसभा में टीएमसी संसदीय दल के नेता पद से सुदीप बंधोपाध्याय को हटा कर अभिषेक बनर्जी को यह जिम्मेदारी सौंपी गयी है। उल्लेखनीय है कि सुदीप बंधोपाध्याय लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे हैं इसलिए उनकी जगह तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को लाया गया है। लेकिन कल्याण बनर्जी को अपना पद जिन परिस्थितियों में छोड़ना पड़ा है उसे महज संगठनात्मक फेरबदल नहीं माना जा सकता।

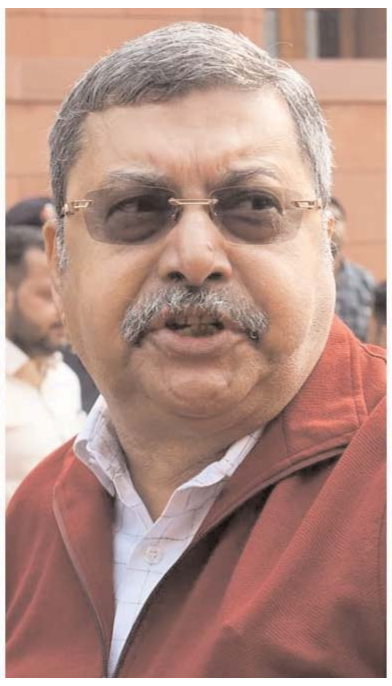

दरअसल, यह बदलाव तृणमूल के भीतर चल रहे शक्ति संतुलन, आंतरिक खींचतान और आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की रणनीति से गहरे रूप से जुड़ा हुआ है। जहां तक तृणमूल कांग्रेस में अभिषेक बनर्जी के लगातार बढ़ते ग्राफ की बात है तो आपको बता दें कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे पहले से ही पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं और अब संसद में भी उन्हें नेतृत्व सौंपने से संकेत साफ है कि टीएमसी नेतृत्व का उत्तराधिकार धीरे-धीरे उनके हाथों में केंद्रित हो रहा है। संसदीय दल का नेता बनाना केवल प्रतीकात्मक पद नहीं है, यह निर्णय केंद्रीय राजनीति में पार्टी की आवाज़ किसके माध्यम से पहुंचेगी, इसका स्पष्ट संकेत है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि हाल ही में जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को विभिन्न देशों में देश का पक्ष रखने के लिए भेजा था तब सरकार ने तृणमूल कांग्रेस की ओर से सांसद युसूफ पठान का नाम तय किया था लेकिन ममता बनर्जी ने इस पर आपत्ति जताते हुए उनकी जगह अभिषेक बनर्जी का नाम शामिल करवाया था और संदेश दिया था कि देश के स्तर पर हो या दुनिया के स्तर पर, तृणमूल का भावी चेहरा अभिषेक बनर्जी ही होंगे। इसके अलावा, अभिषेक बनर्जी को संसदीय दल की कमान सौंपना एक ओर तृणमूल की रणनीतिक चुस्ती और नेतृत्व सशक्तीकरण को दर्शाता है, तो दूसरी ओर यह सवाल भी खड़ा करता है कि क्या पार्टी के अंदर लोकतांत्रिक संवाद की जगह केंद्रीकरण ने ले ली है? देखा जाये तो यह बदलाव एक दोधारी तलवार की तरह है— जो पार्टी को अनुशासित भी कर सकता है और आंतरिक असंतोष को हवा भी दे सकता है। आगामी महीनों में इस बदलाव का असली असर तब दिखेगा जब टीएमसी लोकसभा में अपनी रणनीति को नया आकार देगी और विपक्षी दलों के साथ अपने रिश्ते फिर से परिभाषित करेगी।

उधर, लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा देने वाले कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया है कि सांसदों के बीच समन्वय की कमी के लिए उन्हें गलत तरीके से दोषी ठहराया जा रहा है, जबकि कुछ सांसद संसद में बमुश्किल ही आते हैं। कल्याण बनर्जी ने यह कदम पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी की अध्यक्षता में तृणमूल सांसदों की डिजिटल तरीके से आयोजित एक बैठक के कुछ घंटे बाद उठाया। बैठक के दौरान ममता बनर्जी ने पार्टी के संसदीय दल में खराब समन्वय पर अप्रसन्नता जतायी थी। कल्याण बनर्जी ने एक समाचार चैनल से कहा, ''मैंने लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक का पद छोड़ दिया है, क्योंकि %दीदी% (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) ने डिजिटल बैठक के दौरान कहा था कि पार्टी सांसदों के बीच समन्वय की कमी है। इसलिए दोष मुझ पर है। इसलिए, मैंने पद छोड़ने का फैसला किया है।'' भावुक होते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा कि वह एक साथी सांसद द्वारा उनके अपमान पर पार्टी की चुप्पी से बहुत आहत हैं। उनका इशारा परोक्ष तौर पर महुआ मोइत्रा की ओर था। नब्बे के दशक के उत्तरार्ध से तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी के साथ रहे वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी ने कहा, दीदी कहती हैं कि लोकसभा सदस्य लड़ रहे हैं और झगड़ा कर रहे हैं...क्या मुझे उन लोगों को बर्दाश्त करना चाहिए जो मुझे अपशब्द कहते हैं? मैंने पार्टी को सूचित किया, लेकिन मेरा अपमान करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, वे मुझे ही दोषी ठहरा रहे हैं। ममता बनर्जी जिस तरीके से चाहें पार्टी को चलायें।'' उन्होंने पार्टी के आंतरिक मामलों पर अपनी असहमति व्यक्त करते हुए कहा, मैं इतना क्षुब्ध हूं कि मैं राजनीति छोड़ने के बारे में भी सोच रहा हूं।'' हम आपको यह भी बता दें कि एक ओर कल्याण बनर्जी ने दावा किया कि उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफा दिया है, लेकिन उन्होंने कथित तौर पर अपने करीबी सहयोगियों से कहा है कि उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा है, खासकर कृष्णानगर की सांसद महुआ मोइत्रा के साथ महीनों तक चले तनाव और उससे पहले पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल सांसद कीर्ति आजाद के साथ तनाव के बीच। कल्याण बनर्जी ने अपने इस्तीफे से ठीक पहले 'एक्स' पर एक लंबी पोस्ट में महुआ मोइत्रा पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया था। उन्होंने पोस्ट में कहा था, ''मैंने महुआ मोइत्रा द्वारा हाल ही में एक सार्वजनिक पॉडकास्ट में की गई व्यक्तिगत टिप्पणियों पर ध्यान दिया है। उनके शब्दों का चयन, जिसमें एक साथी सांसद की तुलना %सुअर% से करने जैसी अमानवीय भाषा का प्रयोग शामिल है, न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सभ्य संवाद के बुनियादी मानदंडों की उपेक्षा को भी दर्शाता है।'' उन्होंने लिखा, ''किसी पुरुष सहकर्मी को %यौन रूप से कुंठित% कहना कोई साहस नहीं है- यह सरासर दुर्व्यवहार है। अगर ऐसी भाषा किसी महिला के लिए इस्तेमाल की जाती, तो पूरे देश में आक्रोश फैल जाता और यह सही भी है। लेकिन जब कोई पुरुष निशाना होता है, तो इसे या तो नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है या फिर सराहा जाता है। एक बात साफ़ है- दुर्व्यवहार तो दुर्व्यवहार ही होता है- चाहे वह किसी के साथ हो।''

कल्याण बनर्जी ने कहा था, ''अगर मोइत्रा सोचती हैं कि अपशब्द कहने से उनकी अपनी नाकामियां छिप जाएंगी या उनके रिकॉर्ड पर गंभीर सवालों से ध्यान हट जाएगा, तो वह खुद को धोखा दे रही हैं। जो लोग जवाब देने के बजाय अपशब्दों पर भरोसा करते हैं, वे लोकतंत्र के चैंपियन नहीं हैं- वे इसकी शर्मिंदगी हैं और इस देश के लोग उनकी इस हरकत को समझ सकते हैं।'' हम आपको बता दें कि श्रीरामपुर से चार बार के सांसद कल्याण बनर्जी एक वरिष्ठ अधिवक्ता भी हैं। उन्होंने कहा कि वह इस बात से अपमानित महसूस कर रहे हैं कि अनुशासनहीनता और कम उपस्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की बजाय पार्टी उन्हें ही दोषी ठहरा रही है। कल्याण बनर्जी ने कहा, ''ममता बनर्जी ने जिन्हें सांसद बनाया है, वे लोकसभा आते भी नहीं हैं। दक्षिण कोलकाता, बैरकपुर, बांकुड़ा, उत्तर कोलकाता के तृणमूल सांसदों में से शायद ही कोई संसद आता है। मैं क्या कर सकता हूं? मेरा क्या कसूर है? मुझे ही हर चीज के लिए दोषी ठहराया जा रहा है।''

कल्याण बनर्जी ने साथ ही एक बांग्ला टीवी चैनल से कहा, अगर ज़्यादातर सांसद संसद से नियमित रूप से अनुपस्थित रहते हैं, तो मैं क्या करूँगा? क्या ममता बनर्जी जानती हैं कि संसद का दैनिक कामकाज कैसे चल रहा है? अगर पार्टी कदम नहीं उठाए, तो मैं क्या करता? मैंने सबसे ज़्यादा काम किया, लेकिन मैं ऑक्सफ़ोर्ड या कैम्ब्रिज का स्कॉलर नहीं हूँ। मैं महंगी साड़ियां नहीं पहनता। जो लोग ममता बनर्जी की आलोचना करते हैं, उन्हें इनाम मिलता है।''

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच रक्षा संवाद के जरिये सामरिक संबंधों में हो गयी नई शुरुआत

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच गहराते रक्षा संबंध न केवल द्विपक्षीय सहयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र की उभरती भू-राजनीतिक चुनौतियों के संदर्भ में भी सामरिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक हैं। देखा जाये तो आज की वैश्विक व्यवस्था में, समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, साइबर खतरों और बहुपक्षीय सहयोग जैसे मुद्दों पर साझेदारी का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है। न्यूज़ीलैंड भले ही भौगोलिक रूप से भारत से दूर हो, परंतु दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्य, मुक्त और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें स्वाभाविक रणनीतिक साझेदार बनाते हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र, जो आज वैश्विक शक्ति संघर्ष का केंद्र बन चुका है, उसमें भारत की भूमिका एक प्रमुख स्थिर कारक के रूप में उभर रही है। वहीं, न्यूजीलैंड अपनी शांतिपूर्ण, सहयोगात्मक नीति और समुद्री सुरक्षा में सक्रियता के कारण एक विश्वसनीय साझेदार है। इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए दोनों देशों के बीच समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हम आपको बता दें कि भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच हुई प्रथम रक्षा रणनीतिक वार्ता इस बढ़ते सामरिक सहयोग का एक स्पष्ट संकेत है। प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, समुद्री सूचना साझा करना और बहुपक्षीय सहयोग के क्षेत्र में बातचीत ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को नई गति प्रदान की है। अतः यह कहा जा सकता है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा सहयोग केवल रणनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह क्षेत्रीय स्थिरता, वैश्विक सामंजस्य और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। भविष्य में यह सहयोग दोनों देशों के लिए सामरिक संतुलन और वैश्विक नेतृत्व के अवसरों को और सुदृढ़ कर सकता है। हम आपको बता दें कि 05 अगस्त, 2025 को नई दिल्ली में भारत-न्यूज़ीलैंड रक्षा रणनीतिक वार्ता का पहला संस्करण आयोजित किया गया। यह न केवल दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गहराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उभरती सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में एक नए रणनीतिक तालमेल की शुरुआत भी मानी जा सकती है। इस संवाद की सह-अध्यक्षता भारत के रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव (अंतरराष्ट्रीय सहयोग) अमिताभ प्रसाद और न्यूजीलैंड रक्षा मंत्रालय की अंतरराष्ट्रीय शाखा की प्रमुख मिस कैथलीन पियर्स ने की। वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा और रक्षा उद्योग में साझेदारी को सशक्त करने, बहुपक्षीय सहयोग के क्षेत्रों का विस्तार करने, ग्लोबल कॉमन्स (जैसे कि समुद्री क्षेत्र, साइबर स्पेस आदि) से संबंधित मुद्दों पर सामंजस्य बढ़ाने और के माध्यम से सूचना साझा करने की प्रक्रिया को और मजबूत करने पर चर्चा की। इसके अलावा, भारत ने न्यूजीलैंड की की सफल कमान संभालने के लिए सराहना की, जिसमें भारतीय नौसेना के पाँच जवान भी स्टाफ के रूप में तैनात थे। यह तथ्य दोनों देशों के बीच अंतर-संचालन और विश्वास का प्रतीक है। हम आपको याद दिला दें कि मार्च 2025 में दोनों देशों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके अंतर्गत यह संवाद स्थापित किया गया। इस रूप ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को औपचारिक और संस्थागत रूप प्रदान किया है। देखा जाये तो यह वार्ता सिर्फ एक द्विपक्षीय चर्चा नहीं थी, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नवीन शक्ति संतुलन और साझी रणनीतियों के निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा है। भारत और न्यूज़ीलैंड दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्य, खुले समुद्री मार्गों की सुरक्षा, और कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था में विश्वास रखते हैं। हम आपको बता दें कि राजनयिक और रक्षा सहयोग के साथ-साथ दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, शैक्षणिक और खेल—विशेषकर क्रिकेट—के माध्यम से भी मजबूत संबंध हैं।

अगस्त 2024 में भारत के राष्ट्रपति की न्यूजीलैंड यात्रा और मार्च 2025 में दोनों प्रधानमंत्रियों की बैठक ने द्विपक्षीय रिश्तों को नई ऊँचाई दी है। बहरहाल, भारत-न्यूज़ीलैंड रक्षा रणनीतिक संवाद एक ऐसा मंच बनकर उभरा है, जो केवल सुरक्षा सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक नेतृत्व, क्षेत्रीय स्थिरता, और रणनीतिक लचीलापन की दिशा में भी मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है। यह संवाद दोनों देशों की साझा आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और वैश्विक जिम्मेदारियों का प्रमाण है।

जमीनी विवाद में फर्नीचर व्यापारी के घर फायरिंग, पड़ोसी ने इंदौर से बुलाए शूटर; 3 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। फर्नीचर व्यापारी भागवत गुप्ता के चाणक्यपुरी कॉलोनी स्थित घर पर हुई फायरिंग के मामले में सतना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हुंडी दलाल कमल कुमार माटा समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है और उनके कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट वाली एक्सयूवी कार भी बरामद की है।

जमीन विवाद से जुड़ा मामला: पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के अनुसार, कमल कुमार माटा व्यापारी भागवत गुप्ता का पड़ोसी है। दोनों के बीच पुष्कर्णी पार्क की एक जमीन के कुछ हिस्से को लेकर विवाद चल रहा था। इस जमीन में मुख्य आरोपी रवि सिंह भी कमल कुमार के साथ पार्टनर है। रवि सिंह ने ही इस हमले की पूरी योजना बनाई थी।

इंदौर से शूटर बुलाए: जांच में पता चला है कि रवि सिंह और कमल कुमार ने इस जमीन में लगभग 57 लाख रुपए निवेश किए थे, लेकिन भागवत गुप्ता उन्हें जमीन नहीं दे रहा था। इसी विवाद के चलते आरोपियों ने इंदौर से शूटर बुलाकर व्यापारी के घर फायरिंग करवाई। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपियों ने लखनऊ की फर्जी नंबर प्लेट ((यूपी 32 जीआर 0404 और एमपी 21 5670)) का इस्तेमाल किया।

तीन दिन पहले की थी रेकी: करीब 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने सबसे पहले रवि सिंह को पकड़ा। इसी से सुराग मिला और पुलिस शातिर बदमाश सुभाष सिंह तक पहुंची। पुलिस ने मुख्य आरोपी रवि सिंह पिता यमुना प्रताप सिंह निवासी तिलखन, सुभाष सिंह पिता नागेश सिंह और कमल कुमार माटा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस इन्हें रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि फायरिंग से तीन दिन पहले मुख्य आरोपी ने 30-31 जुलाई को भागवत गुप्ता के घर की रेकी की थी। फायरिंग की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी भोपाल आ गए थे। आरोपियों का मकसद व्यापारी को डराकर जमीन का सौदा अपने नाम करवाना था। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है।

सुभाष सिंह पर दर्ज हैं 18 गंभीर मामले: पुलिस के मुताबिक सुभाष सिंह परिहार पर हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, एनडीपीएस एक्ट समेत 18 केस दर्ज हैं। वह 2019 की एक हत्या का भी आरोपी है और उस समय से फरार था। उस पर 20 हजार का इनाम भी घोषित है।

क्या है पूरा मामला: 3 अगस्त को सतना की चाणक्यपुरी कॉलोनी में व्यापारी भगवत प्रसाद गुप्ता के घर पांच नकाबपोश बदमाशों ने दिनदहाड़े चार राउंड फायरिंग की थी। इस पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 948/25 धारा 296, 109, 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया था। सीएसपी देवेंद्र प्रताप सिंह चौहान के नेतृत्व में बनी स्पेशल टीम ने पूरे मामले का खुलासा किया।

एक अनोखा उत्सव, रामवन में बच्चों संग मनाया शिवा ने अपना जन्मदिन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। समाजसेवी पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी शिवा ने एक नेक पहल करते हुए अपना जन्मदिन बस्ती के बच्चों के साथ रामवन में मनाया। इस अनोखे आयोजन के तहत शिवा ने बच्चों को खुद बस चलाकर रामवन ले गए, जहाँ उन्होंने एक यादगार दिन बिताया। रामवन पहुँचकर, बच्चों ने सबसे पहले भगवान हनुमान जी के दर्शन किए और पूजा-आरती में भाग लिया। इस धार्मिक और शांत वातावरण में बच्चों ने न केवल दर्शन किए बल्कि आध्यात्मिक खुशी का भी अनुभव किया।

दर्शन के बाद रत्नाकर ने बच्चों के लिए एक विशेष दावत का आयोजन किया। फास्ट फूड के स्टॉल लगाए गए, जहाँ बच्चों ने अपनी पसंद की चीजें जैसे फुल्की, चाट, चाउमीन, राइस, और पास्ता का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान बच्चों के चेहरे पर छाई खुशी देखते ही बन रह ी थी।

शिवा ने कहा, बच्चों की खुशी में ही मेरी सारी खुशियाँ हैं। उनके साथ अपना जन्मदिन मनाना मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। इस प्रकार रत्नाकर ने एक सामान्य जन्मदिन को एक विशेष और सार्थक समारोह में बदल दिया, जिससे बच्चों को न केवल मनोरंजन मिला बल्कि एक अविस्मरणीय अनुभव भी हुआ। यह आयोजन समाज में एक सकारात्मक संदेश देता है कि खुशियाँ बाँटने से ही बढ़ती हैं।

तहसीलदार और नायब तहसीलदार ने बंद किया काम

2500 प्रकरणों की नहीं हो पाई सुनवाई; वाहन और डिजिटल सिग्नेचर किए जमा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। तहसीलदार और नायब तहसीलदार हड़ताल पर चले गए हैं। इसकी वजह से जिले की 8 तहसीलों में 2500 राजस्व प्रकरण की सुनवाई पर असर पड़ा है। दरअसल सतना में तहसीलदार संघ के प्रदेशव्यापी आह्वान पर बुधवार से तहसीलदार और नायब तहसीलदार अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं।

सभी अधिकारी कार्यालय समय पर जिला मुख्यालय स्थित संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन पहुंचे और अपने वाहन वहीं खड़े कर दिए। सभी ने अपने डिजिटल सिग्नेचर भी जमा करा दिए हैं। मध्यप्रदेश कनिष्ठ प्रशासनिक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉ. शैलेन्द्र बिहारी शर्मा ने बताया कि न्यायालयीन और गैर न्यायालयीन विभाजन के मुद्दे पर वे सरकार का विरोध कर रहे हैं।

इस दौरान अधिकारी शासकीय कार्यों से विरत रहेंगे। हालांकि, आपदा से जुड़े कार्य ही किए जा सकेंगे। हड़ताल के कारण जिले की आठ तहसीलों में लगभग 2500 राजस्व प्रकरणों की सुनवाई प्रभावित हुई है।

आम जनता को राजस्व संबंधी मामलों के लिए तहसील कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़े। दरअसल, प्रदेश सरकार ने राजस्व के बढ़ते मामलों को देखते हुए तहसील मुख्यालयों में न्यायिक और गैर न्यायिक अधिकारों का विभाजन करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में सभी तहसीलदारों को न्यायिक अधिकार प्राप्त हैं। सरकार के इसी फैसले का तहसीलदार संघ विरोध कर रहा है, जिसके चलते यह हड़ताल शुरू की गई है।

नारियल के खोल से से गढ़ी कला, मां शारदा मंदिर समिति के अशोक बना रहे कप, फ्रेम और पेन स्टैंड जैसी वस्तुएं

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। पोड़ी निवासी अशोक विश्वकर्मा (56) ने अनुपयोगी नारियल की खोल को कलात्मक वस्तुओं में बदलकर सबको चकित कर दिया है। मां शारदा मंदिर समिति में कार्यरत अशोक मंदिर में चढ़ाए गए नारियलों के बचे हुए खोल से सुंदर वस्तुएं बनाते हैं। अशोक इन खोल से चाय के कप, ग्लास, कटोरी, जग, पेन स्टैंड, ऐश-ट्रे, फोटो फ्रेम, फूलदान और पक्षियों की आकृतियां तैयार करते हैं। उन्होंने बताया कि एक दिन नारियल का खोल उन्हें पानी पीने के गिलास जैसी लगी। उसे साफ करके प्रयोग किया, तभी उन्हें विचार आया कि इससे और भी चीज़ें बनाई जा सकती हैं। धीरे-धीरे उन्होंने अलग-अलग वस्तुएं बनाना सीख लिया। अब लोग उनकी कलाकृतियों की सराहना करते हैं। उनसे चाय के कप-कैटल सेट और कटोरी सेट जैसी चीजों की मांग भी होने लगी है। अशोक का मानना है कि भविष्य में लोग धातु और केमिकल युक्त वस्तुओं की जगह प्राकृतिक सामग्रियों को अपनाएंगे। नारियल के बेकार समझे जाने वाले खोल को मेड इन इंडिया स्टार्टअप का आधार बनाकर उपयोगी वस्तुएं तैयार की जा सकती हैं।

ट्रेन से गहने चोरी करने वाला गिरफ्तार, जीआरपी ने 2 दिन की रिमांड पर लिया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-1 पर खड़ी ताप्ती गंगा एक्सप्रेस के ए-2 कोच से गहने चोरी के मामले में जीआरपी ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सुमित वर्मा (32) अपने जीजा रेलकर्मी ललित वर्मा के घर से पकड़ा गया। 24 जुलाई को श्वेता जैन के सोने-चांदी के जेवर से भरा पर्स चुराया गया था। जीआरपी चौकी प्रभारी राजेश राज ने बताया कि अभी तक चोरी का माल बरामद नहीं हुआ है। इसलिए आरोपी को 2 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

भागते हुए सीसीटीवी में कैद हुआ था आरोपी: आरोपी अपने जीजा ललित वर्मा के घर में रहकर ही वारदात को अंजाम देता था। सुमित नशीली दवाओं का आदी भी है। वारदात के बाद आरोपी भागते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया था। फुटेज के आधार पर जीआरपी उसके ठिकाने तक पहुंची।

ट्रैकमैन को मोबाइल देकर भागा, जीआरपी को मिला: चोरी से पहले आरोपी महिला के पीछे-पीछे ही ट्रेन में सवार हुआ था। जब वो पर्स चुराकर भाग रहा था, तभी पर्स में रखे मोबाइल पर किसी का फोन आ गया। कोशिशों के बावजूद फोन बंद न कर पाने पर उसने यार्ड में पेट्रोलिंग कर रहे ट्रैकमैन को मोबाइल थमा दिया और भाग गया। रेलकर्मी ने वो मोबाइल जीआरपी को सौंप दिया था।

19 साल का चोर गिरफ्तार, सोने-चांदी के जेवरात और नकदी बरामद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक खाली घर में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने 19 साल के चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने दोपहर के समय घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चुराई थी। फरियादी ने 1 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उस दिन वो घर पर नहीं थी। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने दोपहर के समय घर में घुसकर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चुरा ली थी।

निजी खर्चों के लिए की थी चोरी: शिकायत के बाद सिटी कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने संदेह के आधार पर हर्ष उर्फ गोलू गुप्ता को हिरासत में लिया। वो राजेन्द्र नगर का रहने वाला है। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि उसने अपने निजी खर्चों के लिए यह चोरी की थी। चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात उसने मोहल्ले के एक सुनार को अपना बताकर बेच दिए थे।

मंगलसूत्र और एक सोने की अंगूठी बरामद: पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर एक सोने का मंगलसूत्र और एक सोने की अंगूठी बरामद की है।

फायरिंग के मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार, पिस्टल, कारतूस और तीन गाड़ी जब्त

सतना। नागौद थाना पुलिस ने फायरिंग के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, एक कारतूस का खोखा और तीन लग्जरी गाड़ी बरामद किए हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। घटना 3 अगस्त की रात की है। फरियादी विनेश सिंह बैस ने थाना नागौद में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि चार अज्ञात गाड़ियों में सवार कुछ लोग, जिनमें से एक अंकित ओझा था, उसके घर के पास रोड पर आए। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए फायरिंग की।

शहीद स्मारक में असामाजिक तत्वों ने की तोड़फोड़, प्रतीकात्मक बंदूक चोरी; कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के नागौद ब्लॉक के ग्राम सेमरी में शहीद मनमोहन सिंह परिहार के स्मारक से 4 अगस्त की रात कुछ असामाजिक तत्वों ने प्रतीकात्मक बंदूक काटकर चुरा ली। शहीद की स्मृति में बनाए गए इस स्मारक को पहले भी नुकसान पहुंचाया जा चुका है। मनमोहन सिंह परिहार केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में पदस्थ थे। बल संख्या 830735961 के साथ वे देश सेवा में थे और 11 मार्च 2014 को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सली हमले में शहीद हो गए थे। उनकी याद में उनके पैतृक गांव सेमरी में यह स्मारक बनाया गया था।

पहले भी हो चुकी है तोड़फोड़, पत्नी ने खुद कराया था सुधार: शहीद की पत्नी श्यामा सिंह परिहार ने बताया कि इससे पहले भी स्मारक में लगी बंदूक को क्षतिग्रस्त किया गया था, जिसे उन्होंने खुद दोबारा स्थापित कराया था। लेकिन इस बार स्मारक पर पहुंचने पर जब उन्होंने बंदूक गायब देखी तो वे बेहद व्यथित हो गईं।

दोषियों पर कार्रवाई की मांग: श्यामा सिंह ने इस कृत्य को देश के लिए जान न्योछावर करने वाले सपूत के सम्मान का अपमान बताया है। उन्होंने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के पुलिस महानिरीक्षक, नई दिल्ली को आवेदन भेजकर दोषियों के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज करने और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

स्मारकों की सुरक्षा और दोषियों को सजा की अपील: श्यामा सिंह ने आग्रह किया कि ऐसे राष्ट्रविरोधी कृत्य करने वालों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी हरकत करने का साहस न करे।

दुकानदार पर महाराष्ट्र से आए दर्शनार्थी से मारपीट का आरोप, वाहन खड़ी करने को लेकर शुरू हुआ विवाद, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। शारदा मंदिर में एक बार फिर श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। दरअसल, महाराष्ट्र से आए दर्शनार्थी बलराम यादव ने स्थानीय दुकानदारों पर विवाद कर मारपीट का आरोप लगाया है। इस घटना बुधवार सुबह की है।

गाड़ी हटाने को शुरू हुआ विवाद: जानकारी के अनुसार बलराम यादव नागपुर से अपने परिवार के साथ मां शारदा के दर्शन के लिए मैहर आए थे। स्नान करने के बाद जब परिवार सड़क किनारे अपने वाहन के पास खड़ा था, तभी एक चाय दुकानदार ने गाड़ी हटाने को लेकर बहस शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर दुकानदार के साथी रविकांत सोनी ने बलराम यादव के साथ मारपीट कर दी।

पीड़ितों ने मंदिर पुलिस चौकी में की शिकायत: घटना के बाद डरे-सहमे श्रद्धालु बिना दर्शन किए लौटने को मजबूर हो गए। उसी समय एक स्थानीय मीडिया कर्मी ने हस्तक्षेप कर उन्हें मां शारदा मंदिर पुलिस चौकी तक पहुंचाया। पुलिस ने श्रद्धालु की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ धारा 151 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया।

चौकी पर मौजूद एक सिविल ड्रेस में पुलिस अधिकारी ने श्रद्धालुओं को समझाया कि वे झंझट में न पड़ें और मामला सिर्फ आवेदन तक ही सीमित रखें। इसके बाद श्रद्धालुओं को रवाना कर दिया गया।

पुलिस पर स्थानीय दुकानदारों पर नरमी बरतने का आरोप: श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर परिसर और आस-पास के क्षेत्रों में कुछ दुकानदार और कथित दलाल अक्सर दर्शनार्थियों से अभद्र व्यवहार करते हैं। विरोध करने पर मारपीट की घटनाएं भी होती हैं। पुलिस प्रशासन पर आरोप है कि वह स्थानीय दबंग दुकानदारों पर नरमी बरतता है। बाहर से आने वाले श्रद्धालु अक्सर शिकायत दर्ज कराए बिना ही लौट जाते हैं।

10 महीनों में बरामद किए 255 गुम और चोरी फोन, साइबर सेल की टीम ने 35.25 लाख कीमत के मोबाइल मालिकों को लौटाए

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में साइबर सेल ने बीते 10 महीनों में बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने गुमशुदा और चोरी हुए कुल 255 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 35,25,000 आंकी गई है। ये मोबाइल फोन न केवल सतना, बल्कि देश के अन्य राज्यों और शहरों से भी खोजकर उनके असली मालिकों को लौटाए गए।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के अनुसार, रोजाना मोबाइल गुम होने की शिकायतें मिल रही थीं। इस पर उन्होंने एएसपी शहर शिवेश सिंह और एएसपी देहात प्रेमलाल कुर्वे को निर्देश दिए कि गुम मोबाइलों की शीघ्र बरामदगी के लिए साइबर सेल की मदद ली जाए।

सायबर सेल प्रभारी के नेतृत्व में बनी विशेष टीम: सीएसपी और संबंधित एसडीओपी के मार्गदर्शन में साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक अजीत सिंह की अगुवाई में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों पर तुरंत एक्शन लिया और मोबाइल ट्रेसिंग शुरू की।

देशभर से खोजे मोबाइल, मालिकों को लौटाए: टीम ने सतना के अलावा रीवा, पन्ना, मैहर, चित्रकूट, दिल्ली, जयपुर, बैंगलोर, झांसी, भिंड, दतिया, उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों और शहरों से मोबाइल फोन खोज निकाले। बरामद किए गए सभी 255 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंप दिए गए। मोबाइल मिलने पर कई लोगों की आंखों में आंसू और चेहरे पर राहत देखने को मिली।

कुल कीमत 35 लाख 25 हजार: बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत ?35.25 लाख बताई गई है। पुलिस अधीक्षक ने टीम के प्रयासों की सराहना की और बताया कि आगे भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि ज्यादा से ज्यादा पीड़ितों को राहत मिल सके।

क्षैत्रीय संचालक ने किया जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण व्यवस्थाएं और अच्छी बनाने के लिए दिए निर्देश

राजगढ़, (एजेंसी)। संचालक स्वास्थ्य सेवाएं भोपाल डॉ. नीरा चैधरी ने मंगलवार को जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की विभिन्न इकाई जैसे टीकाकरण, महिला वार्ड, प्रसूती वार्ड, मेटरनिटि विंग, सुमन हेल्प डेस्क, जननी सुरक्षा योजना भुगतान सहित एसएनसीयू का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान वे मरीजों और उनके परिजनों से भी मिले और अस्पताल की सेवाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सिविल सर्जन डॉ. नितिन पटेल से कहा कि अस्पताल में साफ-सफाई और मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलना चाहिए। संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. चैधरी ने विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं के वार्ड और नवजात शिशु इकाई का दौरा किया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से कहा कि गर्भवती महिलाओं की देखभाल में किसी भी प्रकार की लारवाही नहीं होना चाहिए। अस्पताल में आने वाली हर महिला को अच्छी स्वास्थ्य सेवा मिले, यह सुनिश्चित करना अस्पताल प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में गंदगी और दवाईयों की कमी को लेकर सिविल सर्जन डॉ. पटेल को अपने स्तर से दवाईयों की खरीदी करने सहित अन्य कमियों को तुरंत दूर करने की बात कही। मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की निरंतर मॉनिटरिंग करने, पौष्टिक भोजन देने और मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मरीजों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना जाना चाहिए और उनका तत्काल समाधान होना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभा पटेल, डीएचओ डॉ. राजीव हरिओध, जिला महामारी नियंत्रक डॉ. महेंद्रपाल सिंह एवं मीडिया प्रभारी श्री सैयद फिरोज मौजूद थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एमटीएस की भर्ती की खबर फर्जी

राजगढ़, (एजेंसी)। जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एमटीएस की भर्ती की एक फर्जी खबर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस खबर में दावा किया जा रहा है कि जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा एमटीएस के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे जा रहें हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभा पटेल ने बताया कि यह खबर पूरी तरह से फर्जी है और जिला स्वास्थ्य विभाग इसका खंडन करता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पटेल द्वारा बताया गया कि इस तरह की कोई भी भर्ती या नियुक्ति संबंधी सूचना स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी नहीं की गई है। विभाग युवाओं से अपील करता है कि वे इस तरह की फर्जी खबरों से गुमराह न हो और किसी के बहकावे में आकर कोई भी आवेदन कहीं भी जमा न करें। साथ ही किसी भी प्रकार को कोई शुल्क भी अदा न करें। उन्होंने कहा कि आजकल सोशल मीडिया पर कई ऐसे गिरोह काम कर रहें जो लोगों को ठगने का काम करते हैं। विभाग द्वारा किसी भी जानकारी, सूचनाएं, भर्ती अथवा विज्ञापन हेतु विभागीय बेवसाइट अथवा विश्वसनीय समाचार पत्रों के माध्यम से ही प्रसारित की जाती है। उन्होंने कहा कि यदि फिर भी कोई व्यक्ति अथवा वाट्सअप पर किसी के द्वारा कोई मैसेज प्रसारित किया जाता है तो तुरंत विभाग को सूचित करें।

पॉक्सो अधिनियम पर कार्यशाला 7 अगस्त को

इन्दौर, (एजेंसी)। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (पोक्सो अधिनियम) विषय पर जागरूकता और प्रशिक्षण के लिए मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा 7 अगस्त (गुरुवार) को एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया तथा बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष श्री द्रविंद्र मोरे उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला में पूरे प्रदेश से महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पुलिस तथा जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पोक्सो अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना, बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों पर अधिकारियों को संवेदनशील बनाना और उन्हें विधिक जानकारी व प्रशिक्षण प्रदान करना है। कार्यशाला में बाल संरक्षण के क्षेत्र में नीति निर्धारण से लेकर जमीनी कार्यान्वयन तक की प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने पर भी मंथन किया जाएगा।

कृषि विभाग द्वारा सोयाबीन फसल के लिये समयमायिकी सलाह

इन्दौर, (एजेंसी)। उप संचालक कृषि श्री सी.एल. केवड़ा ने बताया कि इंदौर जिले के कुछ क्षेत्रों से पौधों के अचानक सूखने की शिकायत आ रही हैं। ज्यादातर क्षेत्रों में राइजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट के लक्षण है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी गई है कि इसके नियंत्रण हेतु फफूंदनाशक फ्लुक्सापयोक्साड + पायराक्लोस्ट्रोबिन (300 ग्राम/हे.) या पायरोक्लोस्ट्रोबिन + इपोक्सीबोनाजोल (750 मिली ग्राम/हे.) का छिड़काव करें। एन्थ्रेक्नोज रोग के प्रारंभिक लक्षण भी देखे जा रहे हैं। नियंत्रण हेतु टेबूकोनाजोल 25.9 ईसी (625 मिलीग्राम/हे.) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिलीग्राम/हे.) का घोल बनाकर स्प्रे करें। पीला मोजेक के लक्षण दिख रहे हैं तो नियंत्रण हेतु प्रारंभ में खेत से पौधों को निष्कासित करें एवं फ्लोनीकेमिड (200 ग्राम/हे.) और थायोमेथक्स + लैम्बडासायहेलोथ्रिन (125 मिलीग्राम/हे.) अथवा बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिलीग्राम/हे.) का स्प्रे करें, इससे तना मक्खी का भी नियंत्रण होगा। सोयाबीन की फसल पर टी आकार के वर्ड पर्चेस लगाएं। इससे कीट भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलेगी। मक्का की फसल पर आर्मी वर्म कीटों के रोकथाम हेतु क्लोरएन्ट्रानिलीप्रोल 150 एम.एल. प्रति हेक्टर का स्प्रे करें एवं सतत निगरानी रखें।

जनसुनवाई में सुनी गई आमजन की समस्याएं

राजगढ़, (एजेंसी)। जिला मुख्यालय पर प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का निराकरण किया जाता है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा एवं अपर कलेक्टर श्री शिवप्रसाद मंडराह द्वारा 05 अगस्त को आयोजित जनसुनवाई में खजूरिया निवासियों ने बताया कि गांव में खुली हुई गायों द्वारा फसल नष्ट की जा रही है। गांव के सभी आवेदक इससे काफी परेशान है। गायों द्वारा तारफेंसिंग को तोड़ कर फसल को हानि पहुचा रही है। जिससे आर्थिक नुकसान का सामना कर पड़ रहा है। अपर कलेक्टर द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सारंगपुर को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। जनसुनवाई में गोरियाखेडा निवासी रामप्रसाद ने बताया कि आवेदक को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। आवेदक का मकान बारिश में क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे आवेदक को काफी परेशानी हो रही है। कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारी को जांच हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम चिड़लावनिया निवासी पुरुषोत्तम शर्मा द्वारा बताया गया कि आवेदक की कृषि भूमि पर सोयाबीन बोआई की गई थी, जो कि क्षतिग्रस्त हो जाने का कारण काफी नुकसान हो गया है। जिससे आवेदक को आर्थिक हानि हुई है। कलेक्टर द्वारा डीडीए कृषि विभाग को जांच करने हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम देहरीबामन निवासी मिथलेश सिंह ने बताया कि आवेदक का कच्चा मकान भारी वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे आवेदक का परिवार निवासी करने हेतु काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। कलेक्टर द्वारा तहसीलदार खुजनेर को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम कालापीपल निवासी बालमुकुन्द मालवीय ने बताया कि आवेदक का मकान कुण्डालिया परियोजना अंतर्गत डूब क्षेत्र में आता है। आवेदक को अभी तक मुआवजा राशि प्राप्त नहीं है। साथ ही आवेदक का नाम सूची में दर्ज नहीं किया गया है। कलेक्टर द्वारा ईई कार्यपालन यंत्री कुण्डालिया डेम को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम बुढ़ाखेड़ा निवासी दरियावसिंह ने बताया कि आवेदक की उम्र 60 प्लस हो गई है। परन्तु आवेदक को वृद्ध पेंशन, किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। इसके साथ ही आवास योजना का भी लाभ आवेदक को नहीं मिल रहा है। अपर कलेक्टर द्वारा तहसीलदार ब्यावरा को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान आवेदकों से 120 आवेदन प्राप्त हुए। समस्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को पाबंद किया गया।

इंदौर शहर के स्वच्छता में लगातार आठवीं बार देश में नंबर वन होने पर धन्यवाद प्रस्ताव

इन्दौर, (एजेंसी)। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में महापौर सभाकक्ष में मेयर इन कौंसिल की बैठक संपन्न हुई, बैठक में आयुक्त श्री शिवम वर्मा, महापौर परिषद सदस्य श्री राजेन्द्र राठौर, श्री निरंजनसिंह चौहान, श्री अभिषेक शर्मा, श्री अश्विनी शुक्ल, श्री राजेश उदावत श्री मनीष शर्मा मामा, समस्त अपर आयुक्त एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव द्वारा मेयर इन कौंसिल की बैठक में सर्वप्रथम इंदौर शहर के स्वच्छता में लगातार देश में सिरमौर बनने पर धन्यवाद प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया, इसके साथ ही नगर निगम मुख्यालय स्थित पुराने भवन के स्थान पर नवीन भवन निर्माण करने तथा निगम के भवन को आइकॉनिक बिल्डिंग निर्माण के कार्य की प्रशासकीय तकनीकी, वित्तीय एवं निविदा आमंत्रण की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही बैठक में अमृत 2.0 योजना अंतर्गत नर्मदा के चौथे चरण के लिए स्वीकृति,सीवरेज कार्य के 01 पैकेजो की वित्तीय एवं अनुबंध राशि रूपये 322.38 करोड के कार्यो की स्वीकृति के संबंध में प्रदान की गई , निगम सीमा अंतर्गत स्थित सम्पत्तियों के जीआईएस सर्वे कार्य हेतु एजेंसी नियुक्त किये जाने, श्री गणेशोत्सव की झांकी निर्माण हेतु अनुदान देने, झोन क्रमांक 08 वार्ड 37 के अंतर्गत तुलसी नगर पुलिया से निपानिया तक सडक सीमेंट कांक्रीट करना, सीवर चेम्बर स्ट्रेथनिंग करना एवं स्ट्राम वॉटर लाईन के कार्य, इंदौर जलप्रदाय सिस्टम अंतर्गत ओवरहेड टैक्स के लिए फीडरमैन प्रदाय, डालने, जोडने, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग का कार्य तथा ओवरहेड टैक्स निर्माण के कार्य हेतु रूपांकन निर्माण, टेस्टिंग एवं कमिशनिंग कार्य एवं बल्व वॉटर मेनेजमेंट, स्काडा कार्य हित समस्त कार्य एवं 10 वर्ष का संचालन व संधारन कार्य, निगम सीमा अंतर्गत डीबीएफओटी प्रणाली से 25 स्थानों पर स्मार्ट टॉयलेट निर्माण कर 15 वर्षो तक संचालन व संधारण करने संबंधित प्रकरणों की स्वीकृति प्रदान की गई। पार्षद अनवर कादरी द्वारा निगम की छवि खराब करने, देशद्रोही कृत्य करने पर पार्षद पद से हटाने की निगम परिषद से अनुशंसा करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

आरडीएसएस के इंदौर जिले के शेष कार्य जल्दी पूर्ण किए जाए

इन्दौर, (एजेंसी)। शासन की महत्वपूर्ण योजना आरडीएसएस अंतर्गत इंदौर जिले यानि इंदौर शहरी क्षेत्र और देहात के कस्बों, ग्रामों में जो भी कार्य बचे हुए हैं उन्हें जल्दी ही पूर्ण किया जाना चाहिए। देहात के कार्यों को जल्दी पूर्ण कराने से रबी सीजन में नए कार्यों की उपयोगिता रहेगी, उपभोक्ताओं की संतुष्टि में बढ़ोत्तरी होगी। मप्र पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी के एमडी श्री अनूप कुमार सिंह ने ये निर्देश दिए। श्री सिंह ने मंगलवार को जिले के अधिकारियों की मिटिंग लेते हुए कहा कि ट्रांसफार्मर, केबल, पोल, कंडक्टर व अन्य जरूरी कार्यों को शत प्रतिशत पूर्ण किया जाना हैं, जो कार्य पूर्ण नहीं हुए हैं वे जल्दी ही पूर्ण कराए जाएं। इसके लिए कार्यपालन यंत्री मौके पर जाए, संबंधित कार्य एजेंसी के पदाधिकारी को भी साथ ले एवं प्रगति का दैनिक लक्ष्य निर्धारित किया जाए। श्री आपूर्ति एवं राजस्व संग्रहण पर भी नियमित रूप से ध्यान देने को कहा। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री गजरा मेहता, मुख्य अभियंता कार्य श्री एसएल करवाड़िया, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एससी वर्मा, अधीक्षण अभियंता श्री डीके गाठे आदि मौजूद थे।

राजमार्गों के ब्लाइंड स्पॉट्स और एक्सीडेंट स्पॉट्स सुधारे जाएंगे

खरगोन, (एजेंसी)। जिले में राजमार्गों में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से ब्लाइंड स्पॉट्स और एक्सीडेंट स्पॉट्स में सुधार लाया जाएगा। शहर के चौराहों और बाजारों से यातायात बाधित करने वाले अतिक्रमण, पेड़ और पोल हटाए जाएंगे। शासकीय कार्यालयों में दो पहिया वाहनों से आने वाले कर्मचारियों को हेलमेट पहनना भी अनिवार्य किया जाएगा। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा की उपस्थिति में गत दिवस आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में ये निर्णय लिए गए हैं। राजमार्गों के विभिन्न ब्लाइंड स्पॉट्स और एक्सीडेंट स्पॉट्स में साइनबोर्ड, साइड शोल्डर, रेडियम/कैट-आई, चेतावनी बोर्ड, रंबल स्ट्रिप, क्रैश बैरियर और स्पीड ब्रेकर लगा कर सुधार किए जाएंगे, जिससे सड़क दुर्घटना मामलों में कमी आ सके। दृश्यता बढ़ाने के लिए अतिक्रमण हटाए जाने, झाड़ियों की छंटाई और रोड मार्किंग की जाएगी। इन सभी सुधारात्मक कार्यों को एक माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। खरगोन शहर में सद्भावना मार्ग, बावड़ी बस स्टैंड, औरंगपुरा चौराहा, खसखसवाड़ी रोड, राधावल्लभ मार्किट, सुंदरम होटल कॉर्नर, गायत्री मंदिर तिराहा, बिस्टान तिराहा सब्जी मंडी और अन्य यातायात बाधित स्थलों में एक माह के अंदर फल विक्रेता और दुकान संचालकों द्वारा किए अतिक्रमण हटाए जाएंगे। इन स्थलों में नो पार्किंग बोर्ड लगाया जाना, ट्रैफिक चालान शुरू करना, यातायात बाधित करने वाले वृक्ष और पोल हटाए जाने जैसे कदम भी उठाए जाएंगे।

जिले में राहवीर योजना लागू की गई है, जिसके अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ को शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त किया गया है। योजना में सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिकों को ₹25000 प्रोत्साहन राशि का प्रावधान किया गया है। प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने के लिए नागरिकों को सीएमएचओ को आवेदन प्रस्तुत करना होगा। सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को पंजीकृत अस्पतालों में कैशलेस उपचार योजना के अंतर्गत 1.5 लाख रुपयों का उपचार मिलेगा। सड़क दुर्घटना में वर्ष 2024 में जिले में 405 मृत्यु हुई थीं, जिनमें 2 व्हीलर चलाने वाले 18 से 35 आयुवर्ग के युवाओं में सर्वाधिक कैजुअलिटी दर्ज हुई थी। सीटबेल्ट नहीं लगाना और हेलमेट नहीं पहनना सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारण पाए गए हैं। प्रशासन सीटबेल्ट और हेलमेट के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाएगा।

झम-झम बेकरी पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम की छापामार कार्यवाही

खरगोन, (एजेंसी)। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशन में 05 अगस्त को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खरगोन शहर में स्थित करीम नगर में झम-झम बेकरी का औचक निरीक्षण कर छापामार कार्यवाही की है। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने झम-झम बेकरी से खाद्य पदार्थ पाम सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 नियम 2011 के प्रावधानों के तहत पैकेजिंग एवं लेबलिंग में अनियमितता पाये जाने एवं खाद्य लाईसेंस निरस्त होने पर भी संचालन करने पर बेकरी से 900 किग्रा टोस्ट कुल 81 हजार रुपये का जब्त किया गया।

ढालखेड़ा के अन्नपूर्णा आश्रम में सीसी सड़क और नर्मदा घाट का लोकार्पण

खरगोन, (एजेंसी)। कसरावद विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बलगाँव अंतर्गत ढालखेड़ा स्थित अन्नपूर्णा आश्रम में मंगलवार को नर्मदा घाट निर्माण और 20 लाख रुपये की लागत से बनी सीसी सड़क का लोकार्पण किया गया। यह सड़क अन्नपूर्णा आश्रम को सीधे नर्मदा घाट से जोड़ती है, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को आवागमन में सुविधा होगी। यह परियोजना 15वें वित्त आयोग की जिला पंचायत अध्यक्ष निधि और मनरेगा योजना के तहत पूरी हुई है।

लोकार्पण समारोह की मुख्य अतिथि खरगोन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुबाई भारतसिंह तंवर एवं कलेक्टर भव्या मित्तल रही। आश्रम के गुरुदेव परमपूज्य सच्चिदानंद महाराज, पंडित सूर्यप्रकाश पौराणिक, पूर्व विधायक आत्माराम पटेल, सीईओ जनपद पंचायत कसरावद रीना किराड़े सहित कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस दौरान नर्मदा पूजन के बाद कलेक्टर और जिला पंचायत अध्यक्ष ने आश्रम परिसर में नर्मदा किनारे त्रिवेणी का पौध रोपण किया, जिसका उद्देश्य प्रकृति को सुंदर और हरा-भरा बनाने का संदेश देना था। उन्होंने गौ माता का पूजन भी किया और उन्हें गुड़ व चने खिलाए।

यह सड़क लंबे समय से ग्रामीणों की मांग थी। कच्ची सड़क होने के कारण बारिश के मौसम में नर्मदा घाट पर स्नान के लिए जाने वाले लोगों को भारी परेशानी होती थी। सड़क परियोजना में 15वें वित्त आयोग से 17.20 लाख रुपये और मनरेगा से 2.80 लाख रुपये का योगदान दिया गया है। लोकार्पण के दौरान, कलेक्टर भव्या मित्तल ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और उनके जल्द निराकरण का आश्वासन दिया।

अर्नो जैकस को इंग्लैंड के लिए एसए 20 अंपायर एसचेंज प्रोग्राम के तीसरे प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया

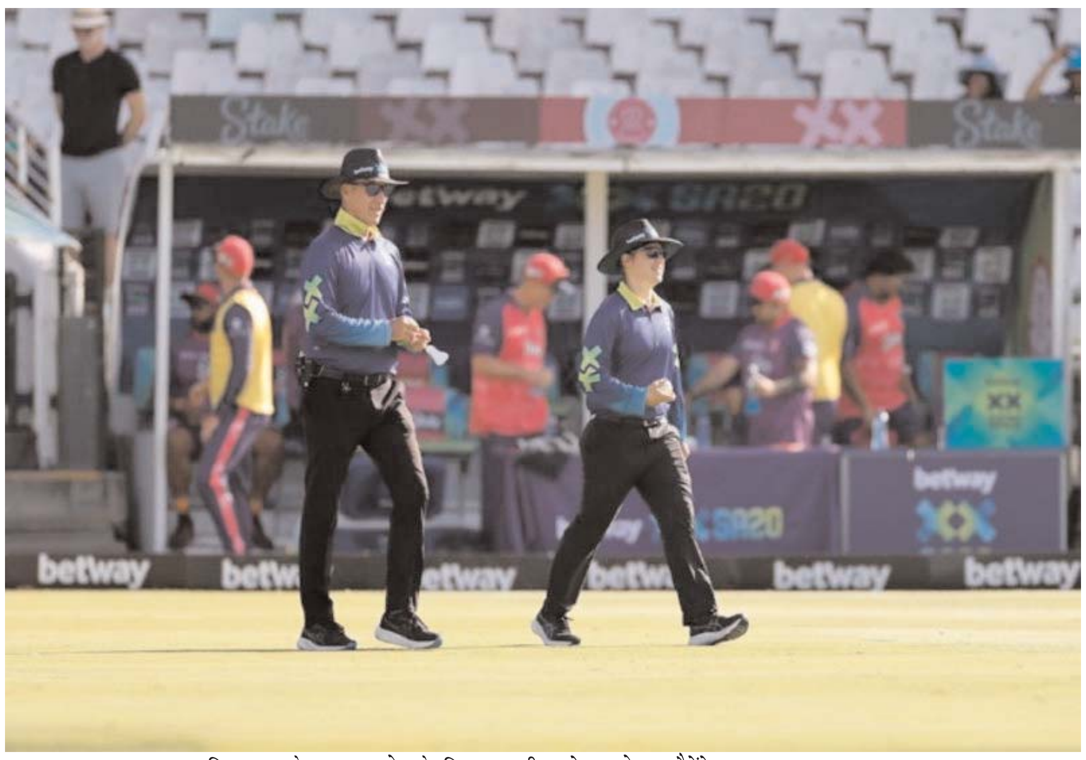

जोहान्सबर्ग,ऐजंसी । पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर अर्नो जैकब्स को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के द हंड्रेड के साथ एसए20 और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) अंपायर एक्सचेंज प्रोग्राम के तीसरे दक्षिण अफ्रीकी प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया है। जैकब्स, स्टीफन हैरिस और लुबाबालो बैब्स गकुमा के नक्शेकदम पर चलेंगे, जिन्हें द हंड्रेड में खेलने का मौका मिला था। सीएसए की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस पारस्परिक समझौते के तहत इंग्लैंड के रसेल वॉरेन ऋ20 सीज़न 2 में और जेम्स मिडलब्रुक सीज़न 3 में अंपायरिंग करेंगे।

जैकब्स 11 अगस्त को यूनाइटेड किंगडम के लिए रवाना होंगे, जहां वह दो पुरुष मैचों और एक महिला मैच में अंपायरिंग करेंगे तथा लॉर्ड्स, ओवल और एजबेस्टन जैसे प्रतिष्ठित वैश्विक स्थलों पर चौथे अंपायर के रूप में कार्य करेंगे।

SA20 को अंपायर एक्सचेंज प्रोग्राम पर बहुत गर्व है। यह एक ऐसा तत्व बन गया है जिसकी हमारे सभी मैच अधिकारी आकांक्षा रखते हैं। इससे न केवल लीग में, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट में भी मैच अधिकारियों की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है। ऋ20 के क्रिकेट संचालन प्रमुख स्टीफन कुक ने कहा, हम एक बार फिर श्ष्ष्क्क के साथ सहयोग के लिए आभारी हैं, जो इस कार्यक्रम के हमारे लक्ष्यों से पूरी तरह सहमत हैं। हम अर्नो को द हंड्रेड में उनके समय के लिए शुभकामनाएं देते हैं और हमें विश्वास है कि वह और बेहतर होकर लौटेंगे।

जैकब्स ने 16 वर्षों तक एक प्रतिष्ठित खेल कैरियर का आनंद लिया, जिसमें उन्होंने अंपायरिंग में आने से पहले 300 से अधिक प्रथम श्रेणी, लिस्ट ए और टी20 मैचों में हिस्सा लिया। यह जैकब्स के लिए अपने साथी पेशेवरों के नेटवर्क को बढ़ाने, विभिन्न पिचों और खेल की परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने और वैश्विक अनुभव प्राप्त करने का अवसर होगा।

जैकब्स का मानना है कि यह उनके लिए जीवन भर का करियर अवसर होगा।

सीएसए प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने कहा, यह अनुभव मुझे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए तैयार करेगा और साथ ही, मैं यूके में अपने सहयोगियों से मिलूंगा और उनके साथ अनुभव साझा करूंगा। मैं इस अद्भुत अवसर के लिए ऋ20 प्रबंधन को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं दुनिया के कुछ सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेट मैदानों पर कदम रखने के लिए उत्साहित हूं। मैं सम्मानित और आभारी हूं। यह एक परम सौभाग्य है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।

48 वर्षीय यह खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीकी घरेलू सर्किट में सबसे सम्मानित अधिकारियों में से एक बन गया है, हाल ही में क्रिकेट एसए पुरस्कार समारोह में उन्हें अंपायर्स अंपायर ऑफ द ईयर और अंपायर ऑफ द ईयर दोनों के लिए नामांकित किया गया था।

दक्षिण अफ्रीका 20 और द हंड्रेड के बीच अनूठे अंपायर एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत एक इंग्लिश अंपायर भी दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा।

शायद रूट को मैन ऑफ द सीरीज होना चाहिए: हैरी ब्रूक

नई दिल्ली,ऐजंसी । इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारतीय कोच गौतम गंभीर द्वारा उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने के फैसले पर असहमति जताते हुए कहा कि यह सम्मान पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले जो रूट को मिलना चाहिए था। श्रृंखला 2-2 से बराबर रहने पर, प्रत्येक टीम के कोच ने प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार के लिए विपक्षी टीम से एक खिलाड़ी का चयन किया। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने जहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल को चुना, वहीं गंभीर ने इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता के रूप में ब्रूक को चुना। ब्रूक ने अंतिम टेस्ट के चौथे दिन 98 गेंदों पर 111 रनों की विनाशकारी पारी खेली, जिससे इंग्लैंड रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करने की कगार पर पहुंच गया, लेकिन मेहमान टीम 66 रन पर सात विकेट खोकर मैच हार गई। ब्रूक ने बीबीसी से कहा, मैंने रूटी (जो रूट) जितने रन नहीं बनाए, इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें मैन ऑफ द सीरीज और मैन ऑफ द समर फिर से बनना चाहिए, जैसा कि वह कई वर्षों से बनते आ रहे हैं।

मुझे लगता है कि हम एक बेहतरीन स्थिति में हैं। ज़ाहिर है, यह एक शानदार सीरीज़ रही है। 2-2, सच कहूँ तो मैंने नहीं सोचा था कि यह इस तरह होगा। ब्रूक ने जहां पांच मैचों की श्रृंखला में 53.44 की औसत से 481 रन बनाए, वहीं रूट ने नौ पारियों में 67.12 की औसत से 537 रन बनाए।

प्रो कबड्डी लीग सीज़न 12 में प्लेऑफ़ में वापसी की कोशिश में बंगाल वॉरियर्स

मुंबई ,ऐजंसी । प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 7 चैंपियन बंगाल वॉरियर्स का लक्ष्य लीग चरण से लगातार चार संस्करणों से बाहर होने के बाद पंचकूला सीजन 12 के प्लेऑफ में वापसी करना होगा, पीकेएल की एक विज्ञप्ति के अनुसार।

सीज़न 12 से पहले, वॉरियर्स ने पिछले सीज़न में 22 मैचों में सिर्फ़ पाँच जीत के साथ दसवें स्थान पर रहने के बाद पूर्व मुख्य कोच प्रशांत सुर्वे से नाता तोड़ लिया। उन्होंने पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय और स्वर्ण पदक विजेता कोच नवीन कुमार, जिन्होंने सीज़न 5 में तेलुगु टाइटन्स को मुख्य कोच के रूप में संभाला था, को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया, और आगामी सीज़न के लिए प्रवीण मलिक को सहायक कोच नियुक्त किया। वॉरियर्स पंचकूला सीज़न 12 की खिलाड़ी नीलामी में व्यस्त रहे क्योंकि उन्होंने कुछ निराशाजनक प्रदर्शनों के बाद अपनी टीम में बदलाव किया। नए पंचकूला सीज़न से पहले टीम की ताकत और कमजोरियों पर एक नज़र डालते हैं।

प्रो कबड्डी सीजन 12 में वॉरियर्स की सबसे बड़ी ताकत उनकी रेडिंग इकाई होने की संभावना है। उन्होंने सीजन 12 के खिलाड़ी नीलामी में पंचकूला सीजन 11 के स्टैंडआउट रेडर देवांक दलाल को 2.205 करोड़ रुपये में खरीदकर अपने आक्रमण को मजबूत किया। ईरानी रेडर ओमिद खोजस्तेह मोहम्मदशाह, भारतीय रेडर सुशील काम्ब्रेकर, विश्वास एस, मनप्रीत, पुनीत कुमार और रचित कुमार, वॉरियर्स के आक्रमण में प्रमुख विकल्पों में से होंगे, क्योंकि वे आगामी सत्र में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे। ॉरियर्स ने कोरियाई स्टार रेडर जंग कुन ली, स्कॉर्पियन किक किंग को भी वापस लाया है, तथा अपनी रेडिंग इकाई को और मजबूत करने के लिए नीलामी में हिमांशु को भी खरीदा है। जहां तक कमजोरियों का सवाल है, तो अनुभवहीन डिफेंडर सीजन 12 में वॉरियर्स को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

सकारात्मक क्रिकेट का मतलब लापरवाह क्रिकेट नहीं: चैपल ने इंग्लैंड के बाज़बॉल दर्शन की आलोचना की

नई दिल्ली,ऐजंसी । सकारात्मक क्रिकेट का मतलब लापरवाह क्रिकेट नहीं है, आस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी ग्रेग चैपल ने भारत के खिलाफ ड्रॉ हुई उच्च स्तरीय टेस्ट श्रृंखला के दौरान इंग्लैंड के बज़बॉल दर्शन की आलोचना करते हुए कहा। ईएसपीएनक्रिकइन्फो में अपने कॉलम में चैपल ने युवा भारतीय टीम की निडरता के लिए प्रशंसा की, वहीं अंग्रेज खिलाड़ियों, विशेषकर हैरी ब्रुक की आलोचना की, क्योंकि वे परिस्थितियों को समझने में विफल रहे, जिनमें आकर्षक स्ट्रोक्स के बजाय दृढ़ता की आवश्यकता थी। भारत के पूर्व मुख्य कोच चैपल ने कहा, इस श्रृंखला में इंग्लैंड की अपनी यात्रा एक चेतावनीपूर्ण उपकथा प्रस्तुत करती है - जिसे प्रतिभाशाली लेकिन चंचल हैरी ब्रुक द्वारा मूर्त रूप दिया गया है, जिनके गुणों की मैं पहले भी सार्वजनिक रूप से प्रशंसा कर चुका हूं। न्होंने आगे कहा, उनके पास समय है, रेंज है, आत्मविश्वास है और बल्लेबाजी को सहज बनाने का दुर्लभ उपहार है। लेकिन क्रिकेट, खासकर टेस्ट क्रिकेट, केवल शॉट लगाने के बारे में नहीं है। यह निर्णय लेने के बारे में है। यह पहचानने के बारे में है कि कब आक्रमण की आवश्यकता है - और कब संयम की आवश्यकता है। लंदन में पांचवें टेस्ट के चौथे दिन सोमवार को इंग्लैंड ने 374 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 301/3 का स्कोर बनाया था, जब 26 वर्षीय ब्रूक के आउट होने से इंग्लैंड की टीम लड़खड़ा गई और घरेलू टीम छह रनों से हार गई। इस परिणाम के साथ, भारत ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। ओवल में ब्रूक का आउट होना, जब मैच काफ़ी संतुलित था, इंग्लैंड की टीम के सामने मौजूद दुविधा का एक लक्षण था। निडर और आक्रामक क्रिकेट के बैज़बॉल दर्शन ने उनकी टेस्ट टीम में नई जान फूंक दी है।

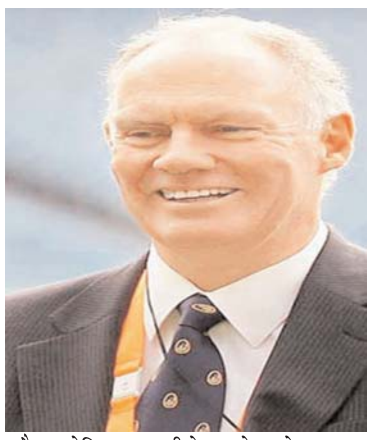

लेकिन, यह कड़ी मेहनत से बचने का बहाना नहीं बन सकता। उन्होंने कहा, ...इंग्लैंड को बस एक बल्लेबाज़ की ज़रूरत थी जो संयम बनाए रखे। दबाव झेल सके। ब्रूक ने शानदार शॉट लगाने की कोशिश की - और हार गए। सकारात्मकता में कुछ भी ग़लत नहीं है। लेकिन सकारात्मक क्रिकेट का मतलब लापरवाह क्रिकेट नहीं है। इसका मतलब है आत्मविश्वास से भरा, सोच-समझकर जोखिम उठाना। चैपल ने कहा कि चुनौतीपूर्ण मैच परिस्थितियों में अधिक संयमित दृष्टिकोण अपनाने से ब्रूक को खिलाड़ी जो रूट के योग्य उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित होने में मदद मिलेगी।

ओवल में शानदार प्रदर्शन के बाद सिराज आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 15वें स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली,ऐजंसी । भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में अपने मैच विजयी प्रदर्शन के बाद नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में करियर का सर्वश्रेष्ठ 15वां स्थान हासिल किया है।

सिराज ने मैच में नौ विकेट लेने के बाद 12 स्थानों की छलांग लगाई, जिसमें पांच विकेट भी शामिल थे, क्योंकि भारत ने मेजबान टीम को रोमांचक मुकाबले में छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। इंग्लैंड को अंतिम दिन 35 रन की आवश्यकता थी और उसके चार विकेट शेष थे, ऐसे में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए सिराज ने गस एटकिंसन को आउट करने सहित तीन बल्लेबाजों को आउट किया और भारत को शानदार जीत दिलाई।

सिराज की अब तक की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी रैंकिंग 16वीं थी जो उन्होंने पिछले साल जनवरी में हासिल की थी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, जिन्होंने अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए तीन टेस्ट मैच खेले, 889 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा ने भी करियर की सर्वश्रेष्ठ 59वीं रैंकिंग हासिल की, जब वह सिराज के साथ मिलकर टेस्ट की दोनों पारियों में चार या इससे अधिक विकेट लेने वाली दूसरी भारतीय जोड़ी बन गए। इससे पहले यह उपलब्धि स्पिनर बिशन सिंह बेदी और इरापल्ली प्रसन्ना ने 1969 में दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हासिल की थी। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ओवल में श्रृंखला में अपने दूसरे शतक के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 5 में लौट आए। जायसवाल तीन स्थान ऊपर उठे और उनके 792 अंक हैं, जबकि शीर्ष 10 में एकमात्र अन्य भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं, जो एक स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गए हैं क्योंकि वह पैर की चोट के कारण पांचवां टेस्ट नहीं खेल सके थे। रिश्माई इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने लगातार तीसरे शतक के साथ शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है,

फीबा एशिया कप के पहले मैच में भारत को ओवरटाइम के रोमांचक मुकाबले में जॉर्डन से हार का सामना करना पड़ा

जेद्दा, ऐजंसी । भारतीय बास्केटबॉल टीम एफआईबीए एशिया कप 2025 में जॉर्डन के खिलाफ अपने शुरुआती ग्रुप सी गेम में 91-84 से हार गई, जो मंगलवार को सऊदी अरब के जेद्दा में किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में खेला गया था। विश्व में 76वें नंबर की भारतीय टीम ने 35वीं रैंकिंग की जॉर्डन के साथ एक रोमांचक मुकाबले में कड़ी टक्कर दी और निर्धारित समय तक दोनों टीमें 80-80 से बराबरी पर रहीं। हालाँकि, Olympics.com के अनुसार, अतिरिक्त समय में यह शानदार प्रयास विफल रहा।

अरविंद मुथु कृष्णन ने 14 अंक बनाकर भारत का नेतृत्व किया और उन्हें प्रणव प्रिंस और हर्ष डागर (12-12), प्रत्यांशु तोमर (11) और कप्तान मुइन बेक हफीज (10) का अच्छा सहयोग मिला। जॉर्डन के डार टकर ने मैच में सर्वाधिक 30 अंक बनाए, जबकि उनके साथी हाशम अब्बास ने 24 अंक बनाए।

2022 में FIBA एशिया कप के पिछले संस्करण के सेमीफाइनलिस्ट जॉर्डन ने पहले क्वार्टर के बाद 18-14 की बढ़त बना ली थी। हालाँकि, भारत ने दूसरे क्वार्टर में शुरुआत में ही आठ अंक लेकर वापसी की और बढ़त बना ली।

हाफ टाइम तक दोनों टीमें 38-38 से बराबरी पर थीं। ओलिंपिक डॉट कॉम के अनुसार, तीसरे क्वार्टर में जॉर्डन ने फिर बढ़त बना ली और देर से रन बनाकर 60-55 की बढ़त बना ली।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक के अध्यक्ष ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 1984 ओलंपिक के तीन पदक उपहार में दिए

वाशिंगटन डीसी,ऐजंसी । 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के अध्यक्ष केसी वासरमैन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के तीन पदक उपहार में दिए, क्योंकि ट्रम्प ने लॉस एंजिल्स में 2028 ओलंपिक के लिए एक टास्क फोर्स बनाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसकी अमेरिका सह-मेजबानी कर रहा है। ट्रम्प ने मंगलवार को 2028 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया, जिसकी अध्यक्षता वह स्वयं करेंगे और देश के उपराष्ट्रपति सह-अध्यक्ष होंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, वह एक कार्यकारी निदेशक नियुक्त करेंगे, जो टास्क फोर्स के दैनिक कार्यों का प्रबंधन और क्रियान्वयन करेगा, और राष्ट्रपति के सहायक और रणनीतिक कार्यान्वयन के लिए डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ के माध्यम से अध्यक्ष को रिपोर्ट करेगा।

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, या अध्यक्ष द्वारा नामित टास्क फोर्स का कोई सदस्य, इस आदेश के अनुरूप, टास्क फोर्स की नियमित बैठकें आयोजित करेगा, उसका एजेंडा निर्धारित करेगा और उसके कार्यों का निर्देशन करेगा। कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रपति के सहायक और रणनीतिक कार्यान्वयन के लिए डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ इन कर्तव्यों के निर्वहन में सहायता करेंगे। अध्यक्ष, टास्क फोर्स की बैठकों की अध्यक्षता करने के लिए टास्क फोर्स के किसी भी सदस्य को नामित कर सकते हैं।

टास्क फोर्स में राष्ट्रपति के मंत्रिमंडल के प्रमुख सदस्य और व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारी, जैसे विदेश मंत्री, वित्त मंत्री, रक्षा मंत्री, वाणिज्य मंत्री, परिवहन मंत्री और गृह मंत्री, अटॉर्नी जनरल, एफबीआई निदेशक और संघीय संचार आयोग के अध्यक्ष शामिल होंगे। बयान में आगे कहा गया है कि आवश्यकतानुसार अन्य संघीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों को भी इसमें शामिल किया जा सकता है।

आदेश के अनुसार, टास्क फोर्स सुरक्षा, परिवहन और आव्रजन प्रक्रियाओं पर संघीय प्रयासों का समन्वय करेगा; राज्य और स्थानीय प्राधिकारियों के साथ अंतर-एजेंसी संचार को सुगम बनाएगा; नियामक या कानूनी बाधाओं की पहचान करेगा; और अंतर्राष्ट्रीय एथलीटों, प्रशिक्षकों, अधिकारियों और मीडिया कर्मियों के लिए वीजा और प्रमाण-पत्रों के सुचारू प्रसंस्करण में सहायता करेगा।

टास्क फोर्स को खेलों के समापन तक कार्य करना है, जिसकी समाप्ति तिथि 31 दिसंबर, 2028 है, जब तक कि राष्ट्रपति द्वारा इसे आगे नहीं बढ़ाया जाता।

हर-घर तिरंगा कार्यक्रम में सभी उत्साह से भाग लें: राज्यपाल श्री डेका

''हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग''

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने राज्य के सभी नागरिकों से हर घर तिरंगा कार्यक्रम में उत्साह से भाग लेने की अपील की है। उन्होंने देश व प्रदेश के नागरिकों से आग्रह किया है कि अपने घरों में तिरंगा फहराएं और स्वतंत्रता दिवस को सम्मान व गर्व के साथ मनाएं। देश एवं प्रदेश में 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ''हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग'' थीम पर आधारित यह कार्यक्रम तीन चरणों में संपन्न होगा। प्रथम चरण 02 से 08 अगस्त, द्वितीय चरण 09 से 12 अगस्त, और तृतीय चरण 13 से 15 अगस्त 2025 तक किया जा रहा है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल झण्डा फहराने की परंपरा नहीं है बल्कि हमारी राष्ट्र भक्ति, एकता और गौरव का प्रतीक है। तिरंगे के साथ हमारा जुड़ाव, हमारे संविधान, संप्रभुता और गौरवशाली विरासत के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद करते हुए उनसे प्रेरणा लें और राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

धरमजयगढ़ वनमंडल क्षेत्र में बड़े मांसाहारी वन्यप्राणी के पदचिन्ह मिले, वन विभाग का अमला अलर्ट, निगरानी जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। धरमजयगढ़ वनमंडल में इन दिनों एक बड़े मांसाहारी जंगली जानवर (लार्ज कार्निवोर) की हलचल देखी जा रही है। बीते कुछ दिनों में इसके पदचिन्ह (पंजे के निशान) अलग-अलग इलाकों में मिले हैं, जिसके बाद वन विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, छाल परिक्षेत्र के ग्राम कोकदार में ग्रामीणों ने खेत के पास किसी बड़े जानवर के पंजे के निशान देखे और तुरंत इसकी सूचना वन अमले को दी। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय वन अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और निशान की जांच की। शुरुआती तौर पर यह बड़े मांसाहारी जानवर का पदचिन्ह प्रतीत हुआ। इसके बाद वन विभाग की टीम ने लगातार निगरानी शुरू कर दी। 3 अगस्त 2025 को इस तरह के पदचिन्ह फिर लैलूंगा परिक्षेत्र में दिखाई दिए। वन विभाग ने अलग-अलग टीमें बनाकर सतत निगरानी जारी रखी हुई है। पदचिन्ह का प्लास्टर कास्ट (पी.ओ.पी.) तैयार कर लिया गया है जिसे विशेषज्ञों को जांच के लिए भेजा जाएगा।

वन विभाग का कहना है कि आज 5 अगस्त 2025 को इसी तरह का पदचिन्ह ओडिशा राज्य के अंदर भी देखा गया है, जिसके बाद सुंदरगढ़ वनमंडल के अधिकारियों को भी जानकारी दे दी गई है। धरमजयगढ़ वनमंडलाधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों से अपील है कि किसी प्रकार के पदचिन्ह या जानवर के दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी वन अमले को सूचना दें। किसी अफवाह पर ध्यान न दें तथा जंगल या खेतों में अकेले जाने से बचें। विभाग की टीमें पूरी तरह सतर्क हैं और लगातार निगरानी कर रही हैं।

जल जीवन मिशन कार्यों में विलंब को लेकर 45 ठेकेदारों को नोटिस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्यों में अनावश्यक विलंब किए जाने पर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने 45 ठेकेदारों को अंतिम नोटिस जारी कर उन्हें 15 दिवस के भीतर शेष कार्यों को पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए है। निर्धारित समय-सीमा कार्य पूर्ण न करने वाले ठेकेदारों के कार्य अनुबंध को निरस्त करने की भी चेतावनी दी गई है। गौरतलब है कि जल जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड मरवाही के ग्राम चंगेरी (तलवाटोला), परासी (मौहारीटोला, हर्राटोला), कुम्हारी (बनियाडांड), मरवाही (मरवाहीटोला, गिरीयानटोला), लोहारी (राजारानीटोला, चलचलीटोला), सेमरदर्री (धौराठी, बिलाईडांड 1-2), मडवाही (दुवारीटोला) तथा दानीकुंडी (पतेराटोला) में रेट्रोफिटिंग ग्राम योजनाओं के अंतर्गत 63 से 75 मिमी व्यास की एचडीपीई पाइप लाइन बिछाने, घरेलू नल कनेक्शन तथा संबंधित अन्य कार्यों के लिए कार्यादेश जारी करते हुए 6 माह की समयावधि प्रदान की गई थी, जो कि 21 दिसंबर 2022 को समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद संबंधित ठेकेदारों द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। कलेक्टर मंडावी ने कहा है कि जल जीवन मिशन, शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल प्रदाय करना है। कार्यों में अनावश्यक देरी से ग्रामवासियों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कई बार की चेतावनी के बावजूद भी कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं आने की स्थिति को देखते हुए उन्होंने संबंधित ठेकेदारों को 15 दिवस के भीतर सभी शेष कार्यों को पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए हैं। निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण न करने वाले ठेकेदारों के अनुबंध समाप्त कर नियामानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) को मिला पंजीयन प्रमाण पत्र

आसपास के गॉवों के किसान बेच सकेंगे दुग्ध, समय और पैसे की होगी बचत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) विकासखण्ड मुंगेली का पंजीयन उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने समिति के अध्यक्ष श्री ऋषिराज सिंह और उपाध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र साहू को दुग्ध पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदान किया। दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) का पंजीयन हो जाने से आसपास के 05 से 08 गॉवों के दुग्ध उत्पादक किसान उक्त समिति में ही वास्तविक मूल्य पर दुग्ध बेच सकेंगे, इससे किसानों के शहर आने-जाने में लगने वाले समय की बचत होगी। साथ ही आवागमन में होने वाला खर्च भी बचेगा। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. आर. एम. त्रिपाठी ने बताया कि पशुपालकों के आय में वृद्धि हेतु शासन की फ्लैगशीप योजना ''सहकार से समृद्धि'' के तहत समस्त ग्राम पंचायतों में सहकारी समिति का गठन किया जाएगा। अभी तक 07 दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया

कालाबाजारी पर नकेल, किसानों को निर्धारित दर 266 रुपए में दिलाई यूरिया

निजी कृषि केंद्र पर कृषि विभाग की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खरीफ सीजन में किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराने कांकेर जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय टीम गठित की गई है। टीम ने विगत 4 अगस्त को भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के कोरर के निजी कृषि दुकानों में छापेमारी कर कालाबाजारी पर नकेल कसा। कृषि विभाग के सहायक संचालक श्री सुधीर ददोरिया और श्री गुंजन सिंग भदौरिया के नेतृत्व में खाद-बीज निरीक्षक श्री अमिनेश गावड़े, कृषि अधिकारी किरण भंडारी, प्रवीण कवाची और आशीष साहू ने कोरर में संचालित निजी कृषि केंद्रों में दबिश दी। इस दौरान दुकानों में लगे पीओएस मशीनों और स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें गड़बड़ियां पाई गई। भानुप्रतापपुर के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी ने बताया कि किसानों ने कोरर क्षेत्र के निजी कृषि केंद्र पर दो से तीन गुना अधिक कीमत पर रासायनिक खाद बिक्री करने की शिकायत दूरभाष के माध्यम से की थी। इस पर कृषि विभाग की टीम ने कार्यवाही करते हुए कोरर बाजार दिवस के दिन निजी कृषि सेवा केंद्र विजय ट्रेंड्स खाद गोदाम का निरीक्षण किया। गोदाम में मौजूदा स्टॉक में दो सौ बोरी यूरिया खाद उपलब्ध पाया गया। किसानों ने शिकायत की थी कि एक बोरी यूरिया 500 रुपए से 600 रुपए में बेचा जा रहा है, जिस पर कृषि विभाग द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए खाद खरीदने आए किसानों को शासन द्वारा निर्धारित दर 266.50 रुपए में यूरिया, 1350 रुपए में डीएपी, 1535 रुपए में पोटाश और 495 रुपए में एसएसपी राखड़ उपलब्ध कराया गया। खाद खरीदने आए 27 किसानों को 79 बोरी यूरिया खाद शासकीय दर 266.50 रुपए की दर से दिलाया गया।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कोण्डागांव व फरसगांव में शासकीय अस्पतालों का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य मंत्री ने की जिला अस्पताल कोंडागांव में 80 लाख रुपए की लागत से ऑपरेशन थिएटर निर्माण की घोषणा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज कोंडागांव जिले के प्रवास के दौरान जिला चिकित्सालय कोंडागांव एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फरसगांव का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने मरीजों से बातचीत कर हाल चाल जाना और वहां मिल रहे चिकित्सकीय सुविधाओं की जानकारी ली। स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों का बेहतर ईलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने जिला अस्पताल कोंडागांव में 80 लाख रुपए की लागत से ऑपरेशन थिएटर निर्माण की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि राज्य के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक सुश्री लता उसेंडी, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष श्री दीपक म्हस्के, स्वास्थ्य सचिव श्री अमित कटारिया और कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना भी उपस्थित थी।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला चिकित्सालय में आपातकालीन चिकित्सा कक्ष, मेजर ओटी वार्ड, सर्जिकल वार्ड सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं, दवाईयों की उपलब्धता, साफ-सफाई, मरीजों को मिलने वाले भोजन, मेडिकल स्टाफ सहित अन्य आवश्यक जानकारी ली। जिला अस्पताल में चल रहे मरम्मत कार्य के प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्होंने सीजीएमएससी के अधिकारियों से एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला चिकित्सालय में मरीजों की संख्या को देखते हुए बेड की संख्या बढ़ाने और नये ऑपरेशन थिऐटर निर्माण कराने की बात कही। इसके पश्चात उन्होंने मातृ शिशु चिकित्सालय में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के सोनोग्राफी कक्ष में पहुंचकर कार्य के बारे में जानकारी ली और व्यवस्थित सोनोग्राफी कार्य के लिए आवश्यक व्यवस्था हेतु निर्देशित किया। साथ ही चिकित्सालय में स्टॉफ की कमी को दूर करने के लिए जिला स्तर पर हो सकने वाले भर्ती को शीघ्र करने हेतु निर्देशित किया और बाकी पदों का राज्य स्तर पर भर्ती की बात कही।

सिस के दन्त चिकित्सा विभाग ने रचा कीर्तिमान

लगभग 4000 मरीजों का कामयाब ऑपरेशन

आयुष्मान कार्ड से जटिल सर्जरी का मुफ्त इलाज

डेंटल सर्जरी के मामले में सभी मेडिकल कॉलेजों में अव्वल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर में भर्ती मरीजों के लिए आयुष्मान कार्ड वरदान साबित हुआ है। विगत लगभग दो साल में 598 भर्ती मरीजों की मेजर सर्जरी एवं 3227 माइनर सर्जरी किया जा चुका है। लगभग 4 हजार मरीजों का सफल इलाज कर सिम्स का दंत चिकित्सा विभाग इस मामले में छत्तीसगढ़ के समस्त चिकित्सा महाविद्यालयों के दन्त चिकित्सा विभागों में अव्वल स्थान पर है। सबसे महंगा कहे जाने वाला टीएमजे प्रत्यारोपण जिसमे जबड़े के जॉइंट का प्रत्यारोपण किया जाता है, जिसे निजी अस्पतालों में करवाने पर लाखो रूपए का खर्चा होता है। सिम्स में दन्त चिकित्सा विभाग द्वारा जटिल सर्जरी को आधुनिक तकनीक से आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क किया गया। सिम्स गरीब मरीजों का आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराने में भी अग्रणी है। जशपुर जिले का मरीज धीर साय का सड़क दुर्घटना में चेहरे की सारी हड्डियां टूट गई थीं तथा चेहरा विकृत हो गया था, जिसका सिम्स के दन्त चिकित्सा विभाग के द्वारा सर्जरी एवं प्लेटिंग की गई, जिसकी प्रशंसा मुख्य मंत्री श्री विष्णु देव साय ने की थी। गौरतलब है कि सिम्स की बेहतर इलाज की सुविधा को जानते हुए पड़ोसी राज्य से भी मरीज यहाँ आकर अपने दुर्घटनाग्रस्त टूटे हुए जबड़े और चेहरे का इलाज करवाते है। अब तक सिम्स के दन्त चिकित्सा विभाग के द्वारा फ्रैक्चर के 550 मरीजों का सर्जरी एवं प्लेटिंग करके जबड़े को जोड़ा गया है। मुँख- कैंसर के साथ अन्य प्रकार की जबड़े की ट्यूमर से ग्रसित 40 से अधिक मरीजों का सफलता पूर्वक इलाज किया गया है। सिम्स में डॉ. भूपेन्द्र कश्यप के निर्देशन एवं देखरेख में विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप प्रकाश एवं उनकी टीम डेंटल सर्जरी में सक्रिय रूप से जुटी हुई है।

श्रीमती किरण कंडरा बनीं ग्रामीण महिलाओं की प्रेरणा

बांसकला से बुनी आत्मनिर्भरता की कहानी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। धमतरी जिले की गंगरेल ग्राम पंचायत निवासी श्रीमती किरण कंडरा ने अपनी मेहनत, लगन और नवाचार से छत्तीसगढ़ की पारंपरिक बांसकला को एक नई पहचान दी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत काम करते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़कर बांस से निर्मित विविध उत्पादों का निर्माण आरंभ किया और आज ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वावलंबन की मिसाल बन गई हैं। श्रीमती किरण कंडरा ने बांसकला जैसे पारंपरिक हस्तशिल्प कार्य में रुचि लेते हुए बिहान समूह की सहायता से प्रशिक्षण, कच्चा माल, विपणन एवं वित्तीय सहायता प्राप्त की। इस सहयोग के माध्यम से उन्होंने बांस की टोकरियाँ, सूपा, टिफिन डिब्बे, पर्रा, बिजना, दीये एवं अनेक सजावटी वस्तुएँ बनाना प्रारंभ किया। बिहान समूह से प्राप्त मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के चलते उन्होंने अपने उत्पादों को स्थानीय हाट-बाजारों, मेले एवं राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों में बिक्री हेतु प्रदर्शित किया। उनके हस्तनिर्मित बांस उत्पादों को ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी ग्राहकों से भी सराहना प्राप्त होने लगी। इससे उनकी मासिक आय में लगभग 10,000 रूपए से 15,000 रूपए तक की वृद्धि हुई है। आर्थिक रूप से सुदृढ़ होने के साथ-साथ उन्होंने अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत की भूमिका निभाई है।

03 जेसीबी एवं 01 हाईवा वाहन जब्त

रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन का मामला

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जांजगीर-चांपा जिले में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु गठित जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल द्वारा आज ग्राम भादा, नवापारा, केवा एवं बम्हनीडीह क्षेत्र में आकस्मिक जांच की गई। खनिज अधिकारी श्री अनिल कुमार साहू ने बताया कि ग्राम नवापारा स्थित हसदेव नदी से 03 जेसीबी वाहनों द्वारा अवैध रूप से रेत का उत्खनन करते पाए जाने पर उन्हें जब्त कर कलेक्टोरेट परिसर, जांजगीर में रखवाया गया है। इसी प्रकार, एक हाईवा वाहन को ओव्हरलोड स्थिति में रेत परिवहन करते पाए जाने पर जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त वाहनों एवं वाहन मालिकों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज करते हुए दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामले में जांच-पड़ताल का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

महतारी वंदन योजना बनी महिलाओं के लिए सहारा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महतारी वंदन योजना आज उन जरूरतमंद महिलाओं के लिए संबल बनकर उभरी है, जो आर्थिक अभाव और पारिवारिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं।

राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना आज उन जरूरतमंद महिलाओं के लिए संबल बनकर उभरी है, जो आर्थिक अभाव और पारिवारिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को प्रतिमाह 1000 रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे न केवल उनकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो रही है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और सम्मान की भावना भी बढ़ी है।

जिले की जरहाभाठा मिनी बस्ती निवासी श्रीमती शिवानी पटेल और श्रीमती अहिल्या बाई भी उन्हीं महिलाओं में शामिल हैं, जिनके जीवन में यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है। शिवानी पटेल बताती हैं कि घर की जिम्मेदारियाँ और बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना पहले उनके लिए बेहद कठिन था। उन्होंने कहा, ÷महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता राशि से मैं समय पर घर का राशन और बच्चों की जरूरत का सामान खरीद पाती हूँ। इससे आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हुई है। इसी प्रकार श्रीमती अहिल्या बाई, जो वर्षों से दूसरों के घरों में काम कर किसी प्रकार अपना गुजारा कर रही थीं, योजना को अपने जीवन का बड़ा सहारा मानती हैं। वे कहती हैं, उम्र के इस पड़ाव पर काम करना मुश्किल है। ऐसे में सरकार से मिलने वाली मदद हमारे जैसे गरीबों के लिए अत्यंत उपयोगी है। अब छोटी-छोटी जरूरतों के लिए किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता। दोनों हितग्राहियों का मानना है कि महतारी वंदन योजना ने उन्हें सिर्फ आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि सम्मान और हौसला भी प्रदान किया है। वे बताती हैं कि जब बच्चे उनसे कुछ मांगते हैं, तो वे खुशी-खुशी उनकी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती हैं। उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना की 18वीं किश्त हाल ही में जारी की गई है, जिसका लाभ प्रदेश की 70 लाख महिलाओं को प्राप्त हो रहा है। महतारी वंदन योजना से जुड़कर आज शिवानी पटेल और अहिल्या बाई जैसी अनेक महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

अमरकंटक में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं कांवड़ियों ने मृत्युंजय आश्रम में ग्रहण की प्रसादी

उपमुयमंत्री श्री विजय शर्मा की पहल और मार्गदर्शन में मृत्युंजय आश्रम में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क ठहरने और भोजन की व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पवित्र सावन मास के अंतिम सोमवार को मध्यप्रदेश के अमरकंटक में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरे क्षेत्र में हर हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे। अमरकंटक से जल भरकर कवर्धा जिले के भोरमदेव, डोंगरिया और पंचमुखी बूढ़ामहादेव जैसे शिवधामों में जलाभिषेक के लिए निकले हजारों कांवड़ियों की सेवा के लिए इस बार विशेष व्यवस्थाएं की गई। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा की पहल और मार्गदर्शन में जिला बोलबम समन्वय समिति तथा कबीरधाम जिला प्रशासन द्वारा अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क ठहरने और भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। पूरे सावन माह में यहां 150 से अधिक बोल बम समितियों के माध्यम से लगभग 50 हजार कांवड़ियों और श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

भक्तों को दिए गए भोजन में दाल-भात-सब्जी के साथ मीठे में खीर, हलवा और पुड़ी का प्रबंध रहा। यह समर्पित सेवा व्यवस्था सावन माह के हर दिन चली, जिससे कवर्धा और आसपास के हजारों श्रद्धालु लाभान्वित हुए। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की सतत निगरानी और निर्देशों के चलते न सिर्फ भोजन, बल्कि प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा, विश्राम की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं भी कांवड़ियों को उपलब्ध कराई गई। जिला बोलबम समन्वय समिति के सदस्य श्री अनिल ठाकुर, श्री दौवा गुप्ता, श्री सुधीर केशरवानी, श्री निशांत झा एवं श्री मंजीत बैरागी ने बताया कि यह आयोजन उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा की जनसेवा और श्रद्धालुओं के प्रति समर्पण का प्रतीक है। अमरकंटक में पहुंचने वाले हज़ारों कांवड़ियों ने इस पहल की सराहना की और समिति द्वारा किए गए सहयोग के लिए आभार जताया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा